वर्ष-12 , अंक-16 — प्रयागराज, रविवार 21 अप्रैल 2024 से शनिवार 27 अप्रैल 2024 तक — पृष्ठ- 8 मूल्य: 3 रूपये

TM

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

हिन्दी साप्ताहिक

आधुनिक समाचार नेटवर्क

Download From Google Play

Adhunik Samachar

ब्रीफ न्यूज

ईरान के परमाणु केंद्रों वाले शहरों पर मिसाइल हमला,इजरायल ने बनाया था बदले का प्लान; अब तक वन्या-वन्या हुआ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। इजरायल की जवाबी कार्रवाई के बाद ईरान दहल उठा है। इजरायल ने आज सुबह अपनी तय रणनीति के अनुसार, ईरान के कई शहरों में मिसाइल अटैक किया। ये धमाके ईरान के न्यूक्लियर

प्लांट वाले शहरों में किया गया है। इसी के साथ ईरानी हवाईअड्डे और उसके एयरबेस को निशाना बनाकर भी हमले किए गए है।" इजरायल ने ईरान पर बदले की कार्रवाई की है। इजरायल के मिसाइल हमले के बाद ईरान दहल उठा है। ईरान के कई शहरों में ड्रोन हमले भी किए गए जिसमें न्यूक्लियर प्लांट वाले शहर भी शामिल हैं। ईरान के प्रमुख एयरबेस और मिलिट्री रिसर्च और डेवलपमेंट सेंटर को भी निशाना बनाया गया। हमला क्यों किया गया और इससे क्या नुकसान हुआ आइए जानते हैं इजरायल ने ईरान के इस्फहान शहर को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाया है। यहीं ईरान का एक प्रमुख एयरबेस और मिलिट्री रिसर्च और डेवलपमेंट सेंटर भी है। आखिर, इजरायल के हमले में ईरान को क्या-क्या नुकसान हुआ और हमले के बाद का क्या नया अपडेट है।

बुशरा बीबी को खिलाया जा रहा टॉयलेट क्लीनर मिला हुआ खाना'

इस्लामाबाद। पाकिस्तान स्थित द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान के पूर्व प्रधान मंत्री इमरान खान ने कहा है कि उनकी पतने बुशरा बीबी को टॉयलेट क्लीनर मिला हुआ भोजन दिया गया था। पाकिस्तान स्थित द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान के पूर्व प्रधान मंत्री इमरान खान ने कहा है कि उनकी पतने बुशरा बीबी को टॉयलेट क्लीनर मिला हुआ भोजन दिया गया था। शुक्रवार को रावलपिंडी की अडियाला जेल में पीएस190 मिलियन भ्रष्टाचार मामले की सुनवाई के दौरान इमरान खान ने न्यायाधीश नासिर जावेद राणा से कहा कि अदालत कक्ष में अतिरिक्त दीवारें खड़ी कर दी गई हैं।

युद्ध लड़ने के तरीकों में आया बदलाव वायुसेना प्रमुख बोले- भूमि, समुद्र व वायु क्षेत्रों की सीमाएं हो रही धुंधली

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी ने कहा है कि भूमि, समुद्र, वायु, साइबर और अंतरिक्ष क्षेत्र की पारंपरिक सीमाएं तेजी से धुंधली होती जा रही है, जिससे युद्ध लड़ने के तरीकों में बदलाव आ रहा है। वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी ने कहा है कि भूमि समुद्र वायु साइबर और अंतरिक्ष क्षेत्र की पारंपरिक सीमाएं तेजी से धुंधली होती जा रही है जिससे युद्ध लड़ने के तरीकों में बदलाव आ रहा है। वायुसेना प्रमुख ने कहा कि नई प्रौद्योगिकियों में तेजी से बदलाव आ रहा है और अंतरिक्ष को निजी क्षेत्रों के लिए खोल दिया गया है। भारतीय रक्षा अंतरिक्ष संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए वायुसेना प्रमुख ने यह भी कहा कि हमारी रणनीतिक स्वायत्तता बनाए रखने के लिए क्षमताओं का विकास किया जाना चाहिए जो अंतरिक्ष में हमारे हितों की रक्षा करें। वायुसेना प्रमुख ने कार्यक्रम को पहले से रिकार्ड किए गए वीडियो के जरिये संबोधित किया। वायुसेना प्रमुख ने कहा कि नई

प्रौद्योगिकियों में तेजी से बदलाव आ रहा है और अंतरिक्ष को निजी क्षेत्रों के लिए खोल दिया गया है। इसके चलते पहले से स्थापित योजनाओं में व्यवधान उत्पन्न हो रहा है। नई संभावनाएं नए समाधान और बाहरी अंतरिक्ष तक कम लागत वाली पहुंच के लिए नया नजरिया प्रस्तुत कर रही हैं। हालांकि, इन नई संभावनाओं के साथ नए खतरे भी सामने आ रहे हैं। वीआर चौधरी ने कहा कि निजी उद्यमियों की बढ़ती भागीदारी से हम देख रहे हैं कि अंतरिक्ष क्षेत्र लोकतांत्रिक हुआ है। आम आदमी की अंतरिक्ष यात्रा 25 साल पहले एक सपना थी, लेकिन आज यह एक सच्चाई है। निजी उद्यमियों और सेना द्वारा अंतरिक्ष के बढ़ते दोहन के साथ निश्चित रूप से इस क्षेत्र का महत्व बढ़ गया है। मालूम हो कि मानेकशा सेंटर में आयोजित होने वाली संगोष्ठी में सशस्त्र बलों के वरिष्ठ अधिकारी और अंतरिक्ष उद्योग के प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं।

मणिपुर में हिंसा के बाद रोका गया मतदान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

इंफाल। लोकसभा चुनाव के पहले चरण का मतदान शुक्रवार यानी 19 अप्रैल से शुरू हो गया। पहले चरण के लिए वोटिंग 21 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 102 लोकसभा सीटों पर हो रही है। वहीं, हिंसाग्रस्त मणिपुर के इंफाल में 5 थोंगजू, 31 खोंगमान जोन में कुछ महिलाओं ने वोटिंग में अनियमितता का आरोप लगाया है। हिंसाग्रस्त मणिपुर के इंफाल में 5 थोंगजू 31 खोंगमान जोन में कुछ महिलाओं ने वोटिंग में अनियमितता का आरोप लगाया है। इंफाल के पूर्वी जिलाधिकारी ने कहा कि कुछ महिलाओं द्वारा अनियमितता का आरोप लगाने और हंगामा करने के बाद मतदान रोक दिया गया। उन्होंने आगे कहा कि मतदान अधिकारी ने मतदान केंद्र को बंद कर दिया है। इंफाल के पूर्वी जिलाधिकारी ने कहा कि कुछ महिलाओं द्वारा अनियमितता का आरोप लगाने और हंगामा करने के बाद मतदान रोक दिया गया। उन्होंने आगे कहा कि मतदान अधिकारी ने मतदान केंद्र को बंद कर दिया है।

इजरायल और ईरान को एलन मस्क ने दी खास सलाह, बताया कहां दागे रॉकेट

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। ईरान के हमले का इजरायल ने जवाब दिया है। बताया जा रहा है कि इस्फहान शहर में शुक्रवार सुबह धमाकों की आवाज सुनी गई। कुछ एजेंसियों ने कहा कि इजरायल ने ईरान की ओर मिसाइल भी दागी हैं। इजरायल ने ईरान के न्यूक्लियर साइट वाले शहर इस्फहान को निशाना बनाया है। इजरायल और ईरान में तनाव के बीच एलन मस्क की प्रतिक्रिया आई है। एलन मस्क ने एक्स पर एक पोस्ट किया है। पोस्ट में उन्होंने रॉकेट की तस्वीर शेयर की है। बता दें कि बीते शनिवार को ईरान ने इजरायल पर बड़ा हमला किया था। अब इजरायल ने ईरान को जवाब दिया है। शुक्रवार सुबह इजरायल ने जवाबी हमला किया है। इजरायल और ईरान के युद्ध के बीच स्पेस एक्स के मालिक एलन मस्क की प्रतिक्रिया सामने आई है। मस्क ने दोनों देशों से शांति की अपील की है। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट भी किया है। पोस्ट में रॉकेट की फोटो शेयर की है। मस्क ने लिखा है कि हमें एक-दूसरे पर नहीं, बल्कि तारों पर रॉकेट भेजने चाहिए। बता दें कि बीते हफ्ते ईरान ने इजरायल पर मिसाइलों और ड्रोन से बड़ा हमला किया था। हालांकि, इजरायल ने ईरान की ज्यादातर मिसाइलों को हवा में ही नष्ट करने का दावा किया। इजरायल ने तब पलटवार की चेतावनी दी थी।

चुनावी रंग को चटख कर रहे सोशल मीडिया पर प्रसारित मीम

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। चुनावी माहौल में इंटरनेट पर मीम की भरमार है। राजनीतिक पाटिर्यां प्रचार के साथ ही एक दूसरे पर हमला बोलने, जबकि चुनाव आयोग वोटरों को मतदान केंद्र तक

लाने के लिए इनका प्रयोग कर रहा है। मीम के साथ ही स्लोगन, पोस्टर, फिल्मी डायलाग का भी जमकर इस्तेमाल हो रहा है। इंस्टाग्राम हो या एक्स सभी जगह इनकी बाढ़ सी आ गई है। चुनावी माहौल में इंटरनेट पर मीम की भरमार है। राजनीतिक पाटिर्यां प्रचार के साथ ही एक दूसरे पर हमला बोलने जबकि चुनाव आयोग वोटरों को मतदान केंद्र तक लाने के लिए इनका प्रयोग कर रहा है। मीम के साथ ही स्लोगन पोस्टर फिल्मी डायलाग का जमकर इस्तेमाल हो रहा है। चुनाव आयोग ने एक्स पर पोस्ट किया है कि हम मतदान को लेकर उत्साहित है क्या आप भी तैयार हैं। चुनाव आयोग ने लोगों को मतदान केंद्र तक लाने और खासकर पहली बार मतदान करने वालों को आकर्षित करने के लिए इस तरह के कई पोस्ट किए हैं। इनमें फिल्मों के डायलाग के साथ ही कई अन्य आकर्षित करने वाले स्लोगन शामिल हैं। चुनाव आयोग ने एक्स पर पोस्ट किया है कि हम मतदान को लेकर उत्साहित है, क्या आप भी तैयार हैं। आयोग की ओर से फिल्म ये जवानी है दीवानी के एक अदृश्य पर आधारित मीम का इस्तेमाल किया गया, जिसकी टैगलाइन थी मतदान से पहले पहली बार मतदाताओं का उत्साह। साथ ही लोगों से जुड़ने के लिए स्थानीय भाषा में स्लोगन का भी प्रयोग किया गया। जैसे अमार वोट, अमार दायित्वो। राजस्थान में मतदाताओं को दिखाने वाली तस्वीरों के साथ एक्स पर 'पधारो म्हारे पोलिंग बूथ' जैसी पंक्तियों का इस्तेमाल किया गया। वहीं, राजनीतिक पाटिर्यों ने एक दूसरे पर हमले और प्रचार के लिए इसका प्रयोग किया है। भाजपा के सोशल मीडिया फीड पर मुख्य रूप से तस्वीरें और नारे हावी रहे हैं। जैसे मोदी की गारंटी और विकास भी, विरासत भी।वहीं, कांग्रेस ने एक्स पर वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें भाजपा पर व्यंग्यात्मक टैगलाइन, बेरोजगारी बहुत है, बाकी सब ठीक है, के साथ कटाक्ष किया गया।

कांग्रेस और वाम दल जैसी पार्टियां वैचारिक रूप से दिवालिया'; नड्डा बोले- ये दल दिल्ली में साथ, बाहर हैं जुदा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

वायनाड। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि विपक्षी गठबंधन आईएनडीआईए में कांग्रेस और वाम दल जैसी पार्टियां 'वैचारिक रूप से दिवालिया' हो गई है। उन्होंने भाजपा

का विरोध करने के लिए दिल्ली में सौहार्दपूर्ण संबंध बनाए रखते हुए दिल्ली के बाहर एक-दूसरे के साथ अपनी भयंकर चुनावी लड़ाई को जारी रखा है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि विपक्षी गठबंधन आईएनडीआईए में कांग्रेस और वाम दल जैसी पार्टियां वैचारिक रूप से दिवालिया हो गई है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस मापका और भाकपा के दोहरे मानदंड और पाखंड यहां दिखाई दे रहे है। भाकपा महासचिव डी. राजा की पतनै (एनी राजा) एलडीएफ उम्मीदवार के रूप में राहुल गांधी के खिलाफ चुनाव लड़ रही है। अपने उम्मीदवार के सुरेंद्रन के लिए सुल्तान बाथेरी में भाजपा के नेतृत्व वाले राजग द्वारा आयोजित रोड शो के इतर भाजपा प्रमुख ने वायनाड लोकसभा सीट पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी और एलडीएफ के भाकपा के एनी राजा के बीच चुनावी लड़ाई का हवाला दिया। उन्होंने अपने दावे को मजबूत करने के लिए कांग्रेस और वाम दलों के बीच इस लड़ाई की ओर इशारा किया और अन्य जगहों पर प्रतिद्वंद्विता के बावजूद नई दिल्ली में उनके शीर्ष नेतृत्व के बीच स्पष्ट सौहार्द को उजागर किया। नड्डा ने कहा, कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा के आरोप, अगर ईवीएम में कोई गड़बड़ी नहीं तो भाजपा 180 से अधिक सीटें नहीं जीत पाएगी, पर सवाल के जवाब में भाजपा प्रमुख ने कहा कि कांग्रेस नेताओं को ईवीएम से कोई समस्या नहीं है। उनकी पार्टी कर्नाटक जैसे चुनाव जीतती है। भाजपा प्रमुख जेपी नड्डा ने पहले चरण के मतदान के बीच दावा किया कि हरेक वोट भ्रष्टाचार, परिवारवाद और तुष्टीकरण के खिलाफ होगा। उन्होंने जनता से अपील की वह मतदान जरूर करें और चुनाव में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। वह मानते है कि इससे सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास और सुदृढ़ होगा। उन्होंने कहा कि हरेक वोट से देश को सुरक्षित और समृद्ध बनाने का काम करेगा।

शिकायतकर्ताओं को भी पक्षकार बनाएं रामदेव', सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में हस्तक्षेप करने से किया इनकार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार

को योग गुरु रामदेव से अपनी याचिका में उन शिकायतकर्ताओं को भी पक्षकार बनाने के लिए कहा, जिन्होंने कोरोना महामारी के दौरान एलोपैथिक दवाओं के खिलाफ टिप्पणियों को लेकर उनके खिलाफ मामले दर्ज कराए है। रामदेव ने शीर्ष अदालत में याचिका दायर कर आपराधिक कार्यवाही पर रोक लगाने की मांग की है। सुप्रीम कोर्ट ने योग गुरु रामदेव से अपनी याचिका में उन शिकायतकर्ताओं को भी पक्षकार बनाने के लिए कहा जिन्होंने कोरोना महामारी के दौरान एलोपैथिक दवाओं के खिलाफ टिप्पणियों को लेकर उनके खिलाफ मामले दर्ज कराए है। रामदेव की याचिका पर सुनवाई कर रही जस्टिस एमएम सुंदरेश और पीबी वराले की पीठ ने कहा कि रामदेव को राहत हासिल करने के लिए शिकायतकर्ताओं को भी पक्षकार बनाने की जरूरत है इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आइएमए) के पटना और रायपुर केंद्र ने 2021 में शिकायत दर्ज कराई थी कि रामदेव की टिप्पणियों से कोरोना के खिलाफ लड़ाई पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका है।

पोर्न में बच्चों का इस्तेमाल गंभीर चिंता का विषय', सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में फैसला रखा सुरक्षित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि एक बच्चे का पोर्न देखना एक बार अपराध नहीं भी हो सकता है लेकिन अश्लील फिल्मों में बच्चों का इस्तेमाल होना एक बहुत ही चिंताजनक विषय है। सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि एक बच्चे का पोर्न देखना एक बार अपराध नहीं भी हो सकता है लेकिन अश्लील फिल्मों में बच्चों का इस्तेमाल होना एक बहुत ही चिंताजनक विषय है। मद्रास हाई कोर्ट ने अपने फैसले में कहा था कि पोक्सो एक्ट और सूचना तकनीकी कानून के तहत महज चाइल्ड पोनीग्राफीको देखना या डाउनलोड करना अपराध नहीं है। प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस जेबी पारदीवाला की खंडपीठ ने शुक्रवार को मद्रास हाई कोर्ट के फैसले को चुनौती देने वाले फरीदाबाद के एक एनजीओ (जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन एलायंस ऑफ फरीदाबाद) और नई दिल्ली के 'बचपन बचाओ आंदोलन' की याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित कर लिया है। यह गैर सरकारी संगठन बेसहारा बच्चों के कल्याण के लिए काम करते हैं। उल्लेखनीय है कि मद्रास हाई कोर्ट ने अपने फैसले में कहा था कि पोक्सो एक्ट और सूचना तकनीकी कानून के तहत महज चाइल्डपोनीग्राफी को देखना या डाउनलोड करना अपराध नहीं है। विगत 11 जनवरी को हाई कोर्ट ने 28 वर्षीय एक आरोपित को आपराधिक मामले से बरी भी कर दिया था। उस पर अपने मोबाइल फोन पर बच्चों पर अश्लील विषय सामग्री को अपने मोबाइल फोन पर डाउनलोड करने का आरोप था।

जब बड़ा अधिकारी आता है तो ऑफिस में खाना खा रहे थे पिता

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने सीएसई 2023 का रिजल्ट बीते मंगलवार जारी किया। परिणामों में 1 हजार 16 कैंडिडेट का

चयन हुआ। रिजल्ट जारी होने के बाद कई बच्चों की सफलता के पीछे की संघर्ष की कहानियां हर रोज सामने आ रही है। आईआईटी रुड़की से ग्रेजुएट क्षितिज गुरभेले का वीडियो काफी वायरल हैं। क्षितिज ने हाल ही में यूपीएससी क्लीयर किया जिसकी जानकारी देने वो सबसे पहले अपने पिता के ऑफिस चला गया। ऑफिस जाकर क्षितिज ने जिस तरह पिता को ये जानकारी दी उसने सबका दिल जीत लिया। क्षितिज का वीडियो देख लोग भी काफी खुश हुए।इस बीच एक यूपीएससी क्लीयर करने वाले छात्र का वीडियो वायरल हो रहा है। इस वीडियो में वो जिस तरीके से पितो को सरप्राइज देता है, वो हर किसी को स्माइल करने पर मजबूर कर देता है। दरअसल, ये वीडियो आईआईटी रुड़की से ग्रेजुएट क्षितिज गुरभेले का है। क्षितिज को जैसे ही उसके यूपीएससी क्लीयर करने की जानकारी मिली, वो सबसे पहले इसे बताने अपने पिता के ऑफिस चला गया। ऑफिस जाकर क्षितिज ने जिस तरह पिता को ये जानकारी दी उसने सबका दिल जीत लिया। वीडियो में देखा जा रहा है कि जैसे ही क्षितिज अपने पिता के ऑफिस में घुसता है, उसके पिता अपने साथियों के साथ खाना खा रहे होते है। तभी, उसके पिता पूछते हैं- क्या हुआ? क्षितिज तेजी से पिता की ओर जाता है और कहता है, अगर कोई बड़ा अधिकारी आता है, तो उठना चाहिए ना..। क्षितिज के इतना कहते ही उसके पिता समझ जाते है कि उसने यूपीएससी क्लीयर कर लिया है। पिता इसके बाद क्षितिज को खुश होकर गले लगा लेते हैं और पिता के दोस्त भी खुशी से शोर मचाने लगते है।

चुनावों में धारा-144 पर सुप्रीम कोर्ट सुनवाई को तैयार, सुप्रीम कोर्ट ने कहा- आवेदनों पर तीन दिन में फैसला करे प्राधिकरण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। चुनाव के दौरान समान रूप से धारा 144 (सीआरपीसी) लागू किये जाने को चुनौती देने के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने नोटिस जारी करते हुए विचार का मन बनाया है। इसके साथ ही शुक्रवार को कोर्ट ने यह भी अंतरिम आदेश दिया कि अगर कोई चुनाव के बारे में शिक्षित करने के उद्देश्य से यात्रा या सार्वजनिक बैठकें आयोजित करने के लिए आवेदन करता है तो सक्षम अथॉरिटी ऐसे आवेदनों पर तीन दिन में निणय लेगी। ये आदेश न्यायमूर्ति बीआर गवई और संदीप मेहता की पीठ ने चुनाव के दौरान समान रूप से धारा 144 लागू रहने का मुद्दा उठाने वाली जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान दिये। वकील प्रशांत भूषण ने कहा कि यहां बहुत ही अजीब स्थिति है। हर चुनाव में धारा 144 की निषेधाज्ञा लागू रहती है जिससे कि न तो कोई सार्वजनिक बैठक हो सकती है न ही मतदाताओं को जागरूक करने के लिए यात्रा निकाली जा सकती हैं। उन्होंने राजस्थान के बाड़मेर का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां 16 मार्च को निषेधाज्ञा लगाई गई और वो छह जून तक जारी है। सीआरपीसी की धारा 144 लागू होने पर किसी भी जगह पांच व्यक्तियों से ज्यादा के एकत्र होने

पर रोक रहती है। समान्य तौर पर यह धारा किसी क्षेत्र में शांति भंग होने की आशंका पर लागू की जाती है। लेकिन चुनाव के दौरान भी ये समान रूप से लागू रहती है। समाजसेवी अरुणा राय और निखिल डे ने सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका दाखिल कर लोकसभा और विधानसभाओं चुनावों के दौरान समान रूप से धारा 144 की निषेधाज्ञा लागू किये जाने को चुनौती दी है जिसके चलते जनसभा, यात्रा निकालता, धरना व लोगों के एकत्र होने पर रोक रहती है। शुक्रवार को याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील प्रशांत भूषण ने कहा कि यहां बहुत ही अजीब स्थिति है। हर चुनाव में धारा 144 की निषेधाज्ञा लागू रहती है जिससे कि न तो कोई सार्वजनिक बैठक हो सकती है न ही मतदाताओं को जागरूक करने के लिए यात्रा निकाली जा सकती है। उन्होंने राजस्थान के बाड़मेर का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां 16 मार्च को निषेधाज्ञा लगाई गई और वो छह जून तक जारी ह उन्होंने कहा कि याचिकाकर्ताओं ने पिछले विधानसभा चुनाव में लोगों को लोकतांत्रिक अधिकारों के प्रति शिक्षित करने के लिए यात्रा निकालने की अनुमति मांगी थी लेकिन उन्हें अनुमति नहीं मिली। इस पर सुनवाई कर रही पीठ ने आश्चर्य जताया और कहा कि ये कैसे हो सकता है।

चीन की घेराबंदी की तैयारी, भारत ने ड्रैगन के पड़ोसी को दिया 'ब्रह्मोस'; मिसाइल की इस खासियत के लिए हुआ था सौदा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

मनीला। हमेशा आंख दिखाने वाले

चीन को भारत अब घेरने की तैयारी में है। भारत ने चीन के पड़ोसी फिलीपींस को ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल की पहली खेप सौंप दी है। इस मिसाइल से फिलीपींस की रक्षा क्षमता में इजाफा होगा। चीन के पड़ोसी मुल्क फिलीपींस को भारत ने ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल की पहली खेप सौंप दी है। दोनों देशों में वर्ष 2022 में 37.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर का समझौता हुआ था। भारतीय वायु सेना ने फिलीपींस के मरीन कॉर्प्स को हथियार प्रणाली पहुंचाने के लिए अपने अमेरिकी मूल सी-17 ग्लोबमास्टर परिवहन विमान को मिसाइलों के साथ फिलीपींस भेजा। बता दें कि दोनों देशों में वर्ष 2022 में 37.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर का समझौता हुआ था। रक्षा सूत्रों के अनुसार, भारतीय वायु सेना ने फिलीपींस के मरीन कॉर्प्स को हथियार प्रणाली पहुंचाने के लिए अपने अमेरिकी मूल सी-17 ग्लोबमास्टर परिवहन विमान को मिसाइलों के साथ फिलीपींस भेजा। अधिकारी ने कहा कि मिसाइलों के साथ-साथ ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल प्रणाली के लिए ग्राउंड सिस्टम का निर्यात पिछले महीने ही शुरू हुआ था। ये मिसाइल मिलने के बाद फिलीपींस की सेना की ताकत में बड़ा इजाफा होगा। बता दें कि ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल, रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) और रूसी कंपनी एनपीओ मशीनोस्ट्रोयेनिया ने मिलकर बनाया है। इसे दुनिया के सबसे सफल मिसाइल कार्यक्रमों में से एक कहा जाता है। वैश्विक स्तर पर सबसे अग्रणी और सबसे तेज सटीक वार करने वाली ब्रह्मोस मिसाइल बहुत ही सक्षम मिसाइल मानी जाती है। ब्रह्मोस ने भारत की रक्षा क्षमताओं को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

डाक पंजीयन नं. AD -99/2024-2026 - website:www.aadhuniksamachar.com – E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com आधुनिक समाचार

भीषण गर्मी में अवकाश या स्कूल के समय में बदलाव हो

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। 1 ईंट 1 रूपये के जन सहयोग से निर्माणाधीन पीडब्लूयूएस शिक्षालय से जुड़े वरिष्ठ समाजसेवी व मीडियाकर्मी अभिषेक गुप्ता ने शासन, प्रशासन व शिक्षा विभागों से मांग किया है कि वह जानलेवा गर्मी को देखते हुए बच्चों और शिक्षकों के जीवन की सुरक्षा हेतु अवकाश घोषित करें अथवा स्कूल के समय में बदलाव करें जानकारी के

अनुसार तीर्थराज प्रयागराज सहित समूचे उत्तर प्रदेश में पड़ रही है जानलेवा भीषण गर्मी से निजात के लिए अभिषेक गुप्ता ने प्रयागराज के सभी विद्यालयों का सर्वे करने के बाद एक वीडियो जारी करके शासन, प्रशासन और शिक्षा विभागों से मांग किया है कि वह या तो विद्यालय में अवकाश घोषित करें अथवा उनके समय में बदलाव करें ताकि लोगों को जानलेवा गर्मी से निजात मिल सके।

हाथापाई के बाद युवक को चाकू मार बदमाश फरार, पुलिस ने घायल को भेजा अस्पताल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

वाराणसी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को इलाज के लिए सीएचसी मेंहनगर ले गई। जहां से उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। परिजन घायल को जिला मुख्यालय स्थित प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराए है।आजमगढ़ के मेंहनगर थाना क्षेत्र के रसूलपुर पुलिया के पास बाइक सवार तीन बदमाशों ने ओवरटेक कर बाइक से घर लौट रहे पिता-पुत्र को रोक लिया और लूटपाट का प्रयास किया। पिता-पुत्र बदमाशों से भिड़ गए। लूट के प्रयास में असफल होने पर बदमाशों ने पुत्र पर चाकू से प्रहार कर दिया और फरार हो गए।गंभीरपुर थाना क्षेत्र के अरारे गांव निवासी रामविलास सिंह (60) अपने पुत्र अमित (37) के

साथ शुक्रवार को अपने ससुराल मेंहनगर थाना क्षेत्र के रामपुर गांव निवासी प्रमोद सिंह के घर गए थे। देर रात पिता-पुत्र बाइक से शारदा सहायक खंड 23 नहर की पटरी से होते हुए वापस घर लौट रहे थे।पिता-पुत्र रसूलपुर पुलिया के पास पहुंचे थे कि एक बाइक सवार तीन बदमाशों ने ओवरटेक कर उन्हें रोक लिया। तीनों ने लूटपाट का प्रयास किया तो पिता-पुत्र बदमाशों से भिड़ गए। जिस पर बदमाशों ने चाकू से हमला बोल दिया। चाकू पुत्र अमित के कंधे व कान के पास लगा, जिससे वह लहुलुहान हो गया।इसके बाद बदमाश घायल अमित की मोबाइल लूट कर सिंहपुर की तरफ फरार हो गए। वहीं, पुत्र के घायल होने के बाद पिता रामविलास ने शोर मचाना शुरू किया तो रसूलपुर गांव में आयोजित एक वैवाहिक समारोह में शामिल लोग मौके पर पहुंच गए।

पूर्व एमएलसी इकबाल बाला को हाईकोर्ट से राहत, मुकदमा निस्तारित करने का निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। पूर्व एमएलसी इकबाल बाला पर 2023 में थाना मिर्जापुर सहारनपुर में सामूहिक दुष्कर्म सहित अन्य मामलों में केस दर्ज किया गया था। 2022 में भी धोखाधड़ी सहित अन्य मामले दर्ज किए गए थे। इनमें पांच अन्य लोगों को भी आरोपी बनाया गया था। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पूर्व एमएलसी इकबाल बाला को राहत दी है। हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट में उपस्थित न होने पर दर्ज 174 ए की कार्रवाई को गलत मानते हुए मुकदमे को निस्तारित करने का निर्देश दिया है। हाईकोर्ट ने कहा कि एक सप्ताह के

भीतर उच्चतम न्यायालय के आदेश की प्रमाणित प्रति ट्रायल कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत की जाए। यह आदेश न्यायमूर्ति संजय कुमार सिंह की कोर्ट ने दिया। पूर्व एमएलसी इकबाल बाला पर 2023 में थाना मिर्जापुर सहारनपुर में सामूहिक दुष्कर्म सहित अन्य मामलों में केस दर्ज किया गया था। 2022 में भी धोखाधड़ी सहित अन्य मामले दर्ज किए गए थे। इनमें पांच अन्य लोगों को भी आरोपी बनाया गया था। आरोपी पूर्व एमएलसी ने इन मुकदमों को फर्जी बताते हुए रद्द करने के लिए उच्चतम न्यायालय में वाद दायर किया। जिसे उच्चतम न्यायालय ने स्वीकार करते हुए मुकदमे को रद्द करने का आदेश दिया।

पिंक मतदाता जागरूकता रैली सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। विकास खण्ड जसरा के खण्ड शिक्षा अधिकारी श्री अखिलेश वर्मा के नेतृत्व में खण्ड शिक्षा अधिकारी कार्यालय में मानव श्रृंखला बनवाई गयी और घूरपुर थाने तक निकाली गयी मतदान जागरूकता रैली! और लोगों कों सब काम छोड़ दो सबसे पहले वोट दो के नारे से किया गया जागरूक! और श्री अखिलेश वर्मा नें वहां पर उपस्थित लोगों व छात्र छात्राओं को मतदान का महत्त्व समझाया और बोला की मतदान लोकतंत्र का अभिनन्न अंग है और लोगों के लिए अपनी बात रखना जरूरी है। सभी को वोट देने का अधिकार है, जिसका अर्थ है कि सभी भारतीय अपनी पसंद के लिए वोट कर सकते हैं। मतदान करके, आप बदलाव ला सकते है

और, मतदान करना इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि आप किसी कानून को तभी निरस्त कर सकते है जब अधिकांश नागरिक उससे सहमत हों।उक्त कार्यक्रम में मौजूद रहे प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष श्री उपेंद्र कुमार द्विवेदी, ए आर पी, श्री सतीश कुशवाहा,श्री मयंकधर द्विवेदी, श्रीमती नीरू सिंह, बबिता वर्मा जी, प्रयाग संगम सेवा संस्थान के अध्यक्ष सुधांशु मिश्रा, शनी शुक्ला, अजीत मालवीय!आदि तमाम लोग उपस्थित रहे।

अगले दो माह प्रयागराज से मुंबई जाने वाली किसी भी ट्रेन में उपलब्ध नहीं है कंफर्म सीट

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। यह हाल तब है जब संगमनगरी के सभी स्कूल-कॉलेज अभी खुले हुए है। अधिकांश में गर्मी की छुट्टियां 15 से 20 मई से शुरू होंगी। बावजूद इसके अभी से ही मुंबई, पुणे आदि रूट की सभी ट्रेनें फुल हैं। प्रयागराज से मुंबई जाने वाली दुरंतो में अब 15 जून तक किसी भी श्रेणी में बर्थ नहीं है। प्रयागराज से मुंबई की तरफ जाने वाली सभी ट्रेनें अगले दो माह फुल हैं। प्रमुख ट्रेनों में अब जुलाई माह में ही कंफर्म बर्थ है। ऐसे में जिन लोगों को स्कूल-कॉलेज बंद होने के बाद मुंबई रूट की तरफ जाना है, उनके सामने कंफर्म सीट का संकट आ गया है। मौजूदा समय प्रयागराज जंक्शन और छिवकी से मुंबई के लिए दो दर्जन से ज्यादा ट्रेनें हैं। इनमें कुछ नियमित तो कुछ सप्ताह में दो या तीन दिन संचालित होती हैं। इन ट्रेनों में अगले दो माह किसी भी श्रेणी में कंफर्म सीट नहीं है। यह हाल तब है जब संगमनगरी के सभी स्कूल-कॉलेज अभी खुले हुए है। अधिकांश में गर्मी की छुट्टियां 15 से 20 मई से शुरू होंगी। बावजूद इसके अभी से ही मुंबई, पुणे आदि रूट की सभी ट्रेनें फुल है। प्रयागराज से मुंबई जाने वाली दुरंतो में अब 15 जून तक किसी भी श्रेणी में बर्थ नहीं है।

राज्य विश्वविद्यालय की बीकॉम छठवें सेमेस्टर की परीक्षा निरस्त, प्रश्न पत्र में त्रुटि के चलते लिया फैसला

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। प्रो. राजेंद्र सिंह रज्जू भइया राज्य विश्वविद्यालय की परीक्षा नियंत्रक प्रो. विनीता यादव ने बताया कि 20 अप्रैल को राज्य विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालयों में प्रथम पाली में बीकॉम षष्ठम सेमेस्टर ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेट का पेपर होना था। प्रश्नपत्र में त्रुठि होने के कारण परीक्षा को तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिया गया है। इसकी परीक्षा अब पुनः कराई जाएगी। जिसके लिए अलग से तिथि घोषित की जाएगी।

प्रो. राजेंद्र सिंह रज्जू भैया राज्य विश्वविद्यालय की बीकॉम छठवें सेमेस्टर की परीक्षा को निरस्त कर दिया गया है। इसके लिए अब दोबारा परीक्षा कराई जाएगी, जिसकी नई तिथि बाद में जारी की जाएगी। राज्य विश्वविद्यालय की परीक्षा नियंत्रक प्रो. विनीता यादव ने बताया कि 20 अप्रैल को राज्य विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालयों में प्रथम पाली में बीकॉम षष्ठम सेमेस्टर ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेट का पेपर होना था। प्रश्नपत्र में त्रुठि होने के कारण परीक्षा को तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिया गया है। इसकी परीक्षा अब पुनः कराई जाएगी। जिसके लिए अलग से तिथि घोषित की जाएगी। प्रोफेसर राजेंद्र सिंह (रज्जू भइया) राज्य विश्वविद्यालय कि सत्र 2023 24 की बीकॉम छठवें सेमेस्टर/वार्षिक परीक्षा शनिवार को निरस्त कर दी गई। पेपर त्रुटिपूर्ण होने के कारण यह परीक्षा निरस्त की गई है। शनिवार को सुबह की पाली में बीकॉम छठवें सेमेस्टर के ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट के पेपर की परीक्षा थी। पेपर में कुछ त्रुटियां थीं। इसी वजह से विश्वविद्यालय प्रशासन ने परीक्षा निरस्त करने का निणन्य लेना पड़ा। सेंटरों में पहुंचे परीक्षाथिर्यों को बताया गया की परीक्षा निरस्त कर दी गई है। इस परीक्षा के लिए प्रयागराज, फतेहपुर, कौशांबी और प्रतापगढ़ में 3070 परीक्षार्थी पंजीकृत थे। राज्य विश्वविद्यालय के पीआरओ डॉ. अविनाश श्रीवास्तव ने बताया की परीक्षा की नई तिथि जल्द ही घोषित की जाएगी।

बसपा ने कैडर पर जताया भरोसा, कांशीराम के नजदीकी रहे हैं जगन्नाथ

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। बसपा ने उन्हें प्रत्याशी घोषित कर ओबीसी वोटरों को अपनी ओर खींचने का प्रयास भी किया है, जो विपक्षी दलों के लिए चुनौतियां पेश करेगा। जगननथ पाल का भले ही पहला लोकसभा चुनाव हो लेकिन कांशीराम से जुड़े रहने के दौरान उन्होंने राजनीति के सभी दांवपेच सीखे। फूलपुर संसदीय सीट से बसपा के प्रत्याशी घोषित किए गए पार्टी के प्रयागराज मंडल के जोन प्रभारी जगननथ पाल कांशीराम के नजदीकी लोगों में से रहे है। यहां तक कि कांशीराम जब फूलपुर से लोकसभा का चुनाव लड़े थे, उनके केंद्रीय भोजनालय और केंद्रीय कार्यालय का संचालन जगननथ पाल के घर से ही किया गया था बसपा ने उन्हें प्रत्याशी घोषित कर ओबीसी वोटरों को अपनी

ओर खींचने का प्रयास भी किया है, जो विपक्षी दलों के लिए चुनौतियां पेश करेगा। जगननथ पाल का भले ही पहला लोकसभा चुनाव हो लेकिन कांशीराम से जुड़े रहने के दौरान उन्होंने राजनीति के सभी दांवपेच सीखे। बकौल जगननथ उन्हें याद नहीं कि बसपा से कब जुड़े लेकिन यह याद है कि 1988 में जब सेंट जोसेफ कॉलेज में कांशीराम का कार्यक्रम हुआ था तो वह भी शामिल हुए थे और तभी से उनसे जुड़ गए। सेना में नौकरी के दौरान पैर में चोट लग जाने से उन्होंने 1993 में सेवानिवृत्ति ले ली थी और इसके बाद राजनीति में सक्रिय हो गए। वह बसपा में कई महत्वपूर्ण पदों पर रहे। 1995 से 1997 तक बसपा के विधानसभा महासचिव, 1997 से 1999 तक जिला उपाध्यक्ष रहे।

आधुनिक
गेस्ट हाउस

- वाटर प्रूफ शेड
- पार्किंग की सुविधा
- मन्दिर की सुविधा
- सी.सी.टीवी.
- छोटे-बड़े कार्यक्रमों के अलग-अलग रेट
- 45000 sq. feet. एरिया
- हरे-भरे वातावरण
- AC कमरा (VIP)

CALL: 9519313894,9415608783, 9415608710

आधुनिक समाचार पब्लिशिंग हाउस, यूपीएसआईडीसी, रेमण्ड रोड, औधोगिक थाने के पीछे भारत पेट्रोलियम के पहले, औधोगिक क्षेत्र, नैनी, प्रयागराज

बुंदेलखंड की तस्वीर साप्ताहिक समाचार पत्र का हुआ विमोचन एवं कार्यालय का भव्य उद्घाटन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
झाँसी। पत्रकारिता को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहा जाता है। पत्रकारिता का उद्देश्य समाज को सूचित करना, जागरूक करना और सशक्त बनाना है। पत्रकारिता समाज का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और यह लोकतंत्र के लिए आवश्यक है। पत्रकारिता के माध्यम से, लोग अपने आसपास की दुनिया के बारे में जान सकते हैं और अपने स्वयं के निणन्य लेने के लिए आवश्यक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। जनपद में पत्रकारिता को और अधिक सशक्त बनाने एवं आमजन के बीच सूचनाओं के सुचारू रूप से आदान प्रदान के लिए ठबुंदेलखंड की तस्वीरठ नामक साप्ताहिक समाचार पत्र का विमोचन हुआ साथ ही मिशन कंपाउंड स्थित कार्यालय का उद्घाटन भी हुआ। इस समाचार पत्र के संपादक शीलू तिवारी एवं उप संपादक सरिता सोनी हैं। उद्घाटन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जनपद के प्रतिष्ठित समाजसेवी एवं संघर्ष सेवा समिति के संस्थापक डॉ0 संदीप सरावगी एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में उपसभापति सुशीला दुबे व राजकीय इंटर कॉलेज के उप प्रधानाचार्य आलोक शांडिल्य उपस्थित रहे। सर्वप्रथम अतिथियों द्वारा फीता काटकर कार्यालय का

उद्घाटन किया गया तत्पश्चात समाचार पत्र के संपादक द्वारा अतिथियों को बुके भेंट कर उनका स्वागत किया गया। इस अवसर पर डॉक्टर संदीप सरावगी ने कहा लोकतंत्र में पत्रकारिता का निष्पक्ष होना अत्यंत आवश्यक है एक पत्रकार की कलम को जितनी अधिक स्वतंत्रता मिलेगी लोकतंत्र उतना ही अधिक मजबूत होगा। इतिहास इस बात का साक्षी है बड़े-बड़े भ्रष्टाचारों और देश व समाज विरोधी गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए पत्रकारों ने अपने प्राण तक न्योछावर कर दिये। मैं आशा करता हूं कि बुंदेलखंड की तस्वीर समाचार पत्र की पूरी टीम निष्ठा के साथ समाज उत्थान हेतु तत्पर रहेगी एवं यह आश्वासन देता हूँ हमारे किसी भी पत्रकार बंधु पर कोई विपत्ति आयेगी तो मैं सदैव उनके साथ खड़ा मिलूंगा। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ पत्रकार रामसेवक अड़जरिया ने किया एवं कार्यक्रम के अंत में सभी का आभार समाचार पत्र के प्रबंधक दीपक त्रिपाठी ने व्यक्त किया। कार्यक्रम में झांसी महानगर सहित गुरसराय, तोड़ी फतेहपुर, जालौन, उरई, पूंछ, ललितपुर एवं मऊरानीपुर के पत्रकार उपस्थित रहे जिन्होंने समाचार पत्र के उज्जवल भविष्य हेतु पूरी टीम को शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर सिविल डिफेंस की घटना नियंत्रण अधिकारी प्रगति शर्मा, पत्रकार महेश पटेरिया, सोनिया पांडे, प्रभात सक्सेना, हर्षिता पटेरिया, शीतल तिवारी, बृजेंद्र चतुर्वेदी, रानू साहू, श्याम कुशवाहा, पुनीत श्रीवास्तव, अरुण चतुर्वेदी, सतीश शर्मा, अवधेश शर्मा, गोविंद त्रिपाठी, सुनील शर्मा, सीताराम श्रीवास, संदीप बिटोलिया, प्रदीप तिवारी, भगवान सिंह, राकेश पटेरिया, रिंकू तिवारी, प्रभाकांत मिश्रा, बाबा कुरैशी, पुरुषोत्तम राय, प्रमेंद्र सिंह, सभासद मयंक श्रीवास्तव, संदीप नामदेव, अनुज प्रताप सिंह, आशीष विश्वकर्मा, बसंत गुप्ता, सुशांत गेड़ा, राकेश अहिरवार आदि उपस्थित रहे।

कानपुर से ज्यादा काशी की गंगा में मिला प्लास्टिक प्रदूषण, शोध में खुलासा; मछलियां भी प्रभावित

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
काशी। शोध में 91.7 फीसदी माइक्रोप्लास्टिक के रेशेदार और काले रंग का होने का पाया गया। माइक्रोप्लास्टिक का 35 फीसदी हिस्सा पॉली एम-फेनिलीन टेरफ्थाल्माइड पॉलिमर था। यह पॉलिमर खतरे की श्रेणी में आते हैं। जो मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए संभावित खतरे का संकेत है।मोक्षदायिनी में प्लास्टिक प्रदूषण बढ़ा है। बीएचयू के पर्यावरण एवं धारणीय विकास संस्थान के शोध से पता चला है कि गंगा में कभी नष्ट न होने वाले प्लास्टिक के अतिसूक्ष्म कण माइक्रोप्लास्टिक (एमपी) मौजूद हैं। इसके तत्व मछलियों में मिले हैं। मछली खाने वाले मनुष्यों के शरीर में नुकसानदायक तत्व पहुंच रहे हैं। इससे बीमारियों का खतरा बढ़ा है। गंगा में कानपुर से ज्यादा वाराणसी माइक्रोप्लास्टिक पाए गए हैं। कानपुर में चमड़ा उद्योग स्थापित है। गंगा के आसपास तमाम टेनरियां हैं। इनका

कचरा सीधे गंगा में गिरता है, फिर भी वाराणसी की गंगा में प्लास्टिक प्रदूषण ज्यादा मिला है। कानपुर में गंगा के सतही जल में माइक्रोप्लास्टिक की संख्या 2.16 पार्टिकल्स पर मीटर क्यूब (एमपी/एम3) यानी 1एम3, 1000 है। वाराणसी में माइक्रोप्लास्टिक की संख्या 2.42 एमपी/एम3 पाई। बीएचयू का शोध 2021 से 2023 के बीच हुआ है। वाराणसी के चार प्रमुख घाटों से गंगा का जल और मछलियों के नमूने लिए गए थे। अस्सी घाट पर सबसे ज्यादा माइक्रोप्लास्टिक मिले हैं। यहां 2.82 प्रति मीटर क्यूब माइक्रोप्लास्टिक मिली है। केदारेश्वर घाट पर 2.60, दशाश्वमेध घाट पर 2.56 और शीतला घाट पर 2.33 प्रति मीटर क्यूब माइक्रोप्लास्टिक पाई गई है। शोधकर्ताओं के मुताबिक, काशी में गंगा का प्रवाह तेज है। इस कारणमाइक्रोप्लास्टिक की मात्रा और उसका फैलाव बढ़ रहा है। रोहू, टेंगरा और भोला समेत चार मछलियों के गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल ट्रैक्ट (जीआईटी) और मांसपेशियों में माइक्रोप्लास्टिक मिले हैं। रोहू का सेवन सबसे ज्यादा किया जाता है। वाराणसी क्षेत्र से चार प्रजाति की मछलियों कॉमन क्रॉप (साइप्रिनस कापिय्यो), टेंगरा मछली (स्पर्टा ऑर), भोला मछली (जॉनियस क्वॉइटर) और रोहू (लेबियो बाटा) पकड़ी गईं। इनके 62 नमूनों की गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल ट्रैक्ट (जीआईटी) और मांसपेशियों की जांच की गई। इससे पता चला कि मछलियों में माइक्रोप्लास्टिक हैं। 66 फीसदी मछलियों में जीआईटी और 15 फीसदी मछलियों की मांसपेशियों में माइक्रोप्लास्टिक्स पाए गए। सबसे ज्यादा माइक्रोप्लास्टिक रोहू मछली में मिले हैं। मेटाबॉलिज्म कर सकते हैं प्रभावित शोध कर रहे बीएचयू के डॉ. कृपाराम ने बताया कि माइक्रोप्लास्टिक्स केवल पर्यावरण तक ही सीमित नहीं हैं। ये मानव शरीर जैसे मल, रक्त, प्लेसेंटा और फेफड़ों में भी पाए गए। नॉन डिग्रेडेबल होने की वजह से इन्हें आसानी से पचाया नहीं जा सकता है। निगले गए माइक्रोप्लास्टिक के लिए पाचन तंत्र प्राथमिक संचित स्थल होते हैं। एक बार जब वे मानव शरीर में प्रवेश करते हैं।

शौच करने गए युवक की ट्रेन से कटकर मौत, 12 दिन पहले गई थी भाई की जान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
वाराणसी। ग्याहर दिन के अंदर दो भाइयों की मौत से परिजनों के साथ के पास पूर्वी छोर पर ट्रेन की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच पास रूके ओर एक चाय-पान की दुकान के पीछे खड़ी कर हाथ मे पानी का बोतल लेकर शौच के लिए निकले थे।बताया

पूरा गांव गमगीन हो गया। घर पर तेरहवीं की तैयारी चल रही थी। इसी दौरान एक और परिजन की मौत पर परिवार दहाड़ मारकर रोने लगा। 12 दिनों पूर्व बड़े भाई का हार्ट अटैक से मौत हो गया था। जिसकी 19 अप्रैल को तेरहवीं है।भदोही के गोपीगंज कोतवाली क्षेत्र के ककराही रेलवे फाटक गया। युवक के भाई की 12 दिन पहले ही मौत हो गई थी। घर में उसके तेरहवीं की तैयारी चल रही थी। गुरुवार को दूसरे भाई की भी मौत हो गई। चील्ह थाना क्षेत्र के अनिरुद्धपुर गांव निवासी वीरेंद्र शुक्ला (40) पुत्र अमरनाथ अपने बाइक स्प्लेंडर से गोपीगंज निकले थे। ककराही पहुंचने के बाद वे रेलवे गेट के जा रहा है इसी दौरान वह किसी ट्रेन की चपेट में आ गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। मौत की सूचना पर पहुंची पुलिस बाइक के नंबर से मृतक की पहचान करके परिजनों को सूचना दी। परिजनों ने बताया 12 दिनों पूर्व बड़े भाई का हार्ट अटैक से मौत हो गया था। जिसकी 19 अप्रैल को तेरहवीं है।

तीर्थंकरों के जन्म से पहले काशी में 15 महीने लगातार हुई रत्नों की बरसात, ये है सर्वधर्म की राजधानी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
वाराणसी। हिंदू, मुस्लिम, सिख और

इसाई के अलावा काशी जैन धर्म के अनुयायियों के लिए बेहद पावन है। जैन धर्म के चार तीर्थंकरों की जन्मस्थली जैनियों की आस्था का प्रमुख केंद्र है।प्रसिद्ध अमेरिकी लेखक मार्क ट्वेन लिखते हैं कि बनारस इतिहास से भी पुरातन है, परंपराओं से पुराना है, किंवदंतियों से भी प्राचीन है और जब इन सबको एकत्र कर दें, तो उस संग्रह से भी दोगुना प्राचीन है। काशी को सर्वविद्या ही नहीं सर्वधर्म की राजधानी भी कहा जाता है। जैन ग्रंथों के अनुसार, काशी में तीर्थंकरों के जन्म के पहले लगातार 15 महीने तक रतनें की बरसात हुई। जैन धर्म के सातवें तीर्थंकर सुपार्श्वनाथ, आठवें तीर्थंकर चंद्रप्रभु, 11वें तीर्थंकर श्रेयांसनाथ और 23वें तीर्थंकर पार्श्वनाथ काशी की पावन धरा पर अवतरित हुए जैनियों के चार तीर्थंकरों ने लिया था पावन काशी में जन्म आनंदकानन के वन में जैन तीर्थंकरों ने ज्ञान के लिए साधना की और अपने ज्ञान के प्रकाश से विश्व को प्रकाशित किया। 23वें तीर्थंकर श्री पार्श्वनाथ का जन्मस्थान जैनियों के लिए सबसे खास तीर्थ है। भेलूपुर में 2880 साल पहले काशी के महाराज अश्वसेन के महल में उन्होंने जन्म लिया। तीर्थंकर पार्श्वनाथ की भारतवर्ष में सर्वाधिक प्रतिमाएं और मंदिर हैं।

32 लाख के नकली मोबिल दो संचालक गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र । पुलिस ने नकली मोबिल व ट्यूब पर नकली ब्रान्डेड कम्पनी का रैपर व ट्रैडमार्क पर करवाई कालाबजारी करने वाले 02 नफर अभियुक्त गिरफ्तार, कब्जे से भारी मात्रा में नकली मोबिल, ट्यूब व एक अदद टाटा मैजिक वाहन 23 लाख मैजिक माल वाहक संख्या ळइ64ऊ6897 बरामद किया गया । इस बरामदगी व गिरफ्तारी के आधार पर थाना रॉबर्ट्सगंज पर विभिनन धाराओं में मामला दर्ज करते हुए ट्रैडमार्क एक्ट बनाम दो नफर गिरफ्तारशुदा अभियुक्तगण उपरोक्त व महावीर इण्टर प्राइजेज लहुराबीर

बरामद सोनभद्र। आगामी लोक सभा चुनाव के दृष्टिगत पुलिस अधीक्षक सोनभद्र, डॉ0 यशवीर सिंह द्वारा विभिनन प्रकार के नकली उत्पादों का प्रयोग कर ग्राहकों से धोखाधड़ी कर मुनाफा कमाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध अभियान चलाया गया है, इसी के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) कालू सिंह व क्षेत्राधिकारी नगर राहुल पाण्डेय के निर्देशन में थाना रॉबर्ट्सगंज पुलिस टीम द्वारा रविवार को समय रात्रि 22.45 बजे धर्मशाला रोड स्थित यूको बैंक के सामने वाली गली से नकली मोबिल व ट्यूब पर नकली ब्रान्डेड कम्पनी का रैपर व ट्रैडमार्क लगाकर ग्राहकों को धोखा देकर कालाबजारी वाले 02 नफर अभियुक्तगण :- 01.उपेन्द्र उर्फ मंगल केशरी पुत्र नन्दलाल केशरी निवासी धर्मशाला रोड थाना रॉबर्ट्सगंज जनपद सोनभद्र उम्र लगभग 40 वर्ष, 02. सैफ पुत्र रियाजूल हसनैन निवासी ब्रह्मनगर (दीपनगर) थाना रॉबर्ट्सगंज जनपद सोनभद्र उम्र लगभग 26 वर्ष को गिरफ्तार किया गया तथा उनके कब्जे से भारी मात्रा में नकली मोबिल, सुलेशन, ट्यूब व एक अदद टाटा का स्वामी नाम पता अज्ञात के पंजीकृत कर अग्रेतर विधिक कार्यवाही की जा रही है। **गिरफ्तारशुदा अभियुक्तगण का विवरण**01.उपेन्द्र उर्फ मंगल केशरी पुत्र नन्दलाल केशरी निवासी धर्मशाला रोड थाना रॉबर्ट्सगंज जनपद सोनभद्र उम्र लगभग 40 वर्ष ।02.सैफ पुत्र रियाजूल हसनैन निवासी ब्रह्मनगर (दीपनगर) थाना रॉबर्ट्सगंज जनपद सोनभद्र उम्र लगभग 26 वर्ष । **सामान बरामदगी का विवरण** 1. विभिनन ब्राण्ड के कुल 2065 डब्बे नकली मोबिल। 2. सुलेशन व 1183 अदद ट्यूब । 3. एक अदद टाटा मैजिक माल वाहक संख्या ळइ64ऊ6897 । **गिरफ्तारी /बरामदगी में सम्मिलित पुलिस टीम में**1.प्रभारी निरीक्षक सतेन्द्र कुमार राय थाना रॉबर्ट्सगंज, 2.उ0नि0 रामसिंहासन शर्मा चौकी प्रभारी कस्बा रॉबर्ट्सगंज 3.का0 सदीप कुमार चौकी कस्बा 4.का0 लवकुश खरवार चौकी कस्बा 5.का0 रमेश गौड़ 6.का0 विनय कुमार थाना मौजूद रहे।

सम्पादकीय

संस्कृति के पन्नों से कैसे मिला 'पृथ्वी' को अपना नाम

ऋषियों ने पृथु को बताया कि प्रकृति का यही नियम है कि राजा न हो तो भूमि में कुछ नहीं उगता। इसीलिए संसार की यह दशा हो रही है। यह सुनकर पृथु ने अस्त्र-शस्त्र उठाया और भूलोक खोदने को तत्पर हो गया। ध्रुव के वंशज राजा अंग का पूरी धरती पर शासन था। वह बहुत धार्मिक और वेदों के ज्ञाता थे। परंतु उनका पुत्र वेन अत्यंत उद्दंड था। उसका धर्म, नैतिकता और वैदिक संस्कारों पर तनिक भी विश्वास नहीं था। वह बड़ा हुआ, तो अत्याचारी हो गया। ऋषि-मुनियों ने उसे बहुत समझाया, लेकिन वेन के व्यवहार में सुधार नहीं हुआ, बल्कि उसकी उद्दंडता बढ़ती गई। आखिरकार, भयभीत होकर गाय का रूप धारण करके भागना शुरू कर दिया। परंतु पृथु ने गाय रूपी भूलोक का पीछा नहीं छोड़ा। वह निरंतर गाय को मारने की धमकी देता रहा। आखिर में गाय ने पृथु से कहा, 'मैं तुम्हारी मां के समान हूं। मुझे मार दोगे, तो मानव जाति का अस्तित्व ही समाप्त हो जाएगा। इसलिए सबकी रक्षा करना तुम्हारा कर्तव्य है।' पृथु ने कहा, 'आपका कर्तव्य संसार का पोषण करना है। आपकी तरह सब कर्तव्य त्याग देंगे तो ब्रह्मांड का क्या होगा? यदि आप संसार की रक्षा नही करेंगी, तो मैं भी आपकी रक्षा नहीं करूंगा।' इस पर गाय बोली, 'प्रकृति का नियम है कि राजा न

ऋषियों ने निणय्य लिया कि वेन का जीवित रहना समाज के लिए घातक होगा, इसलिए उन्होंने अपने तपोबल से वेन को मार डाला। वेन की मृत्यु से धरती अनाचार से मुक्त तो हो गई, किंतु उसका कोई शासक नहीं रहा। वेन निस्संतान था, इसलिए ऋषियों ने वेन के शव को मथकर संतान उत्पन्न करने का निश्चय किया। ऋषियों ने वेन की दाहिनी जांघ को मथा, तो एक अत्यंत कुरूप प्राणी प्रकट हुआ। उससे निषाद वंश की उत्पत्ति हुई। फिर ऋषियों ने वेन की दाहिनी भुजा को मथा, तो एक तेजस्वी बालक उत्पन्न हुआ। उसका नाम पृथु रखा गया। पृथु बड़ा हुआ, तो अत्यंत बलशाली और ओजवान बन गया। उसने अश्वमेध यज्ञ भी पूर्ण कर लिया। परंतु उसका राज्याभिषेक नहीं हो पाया था। एक दिन पृथु को पता लगा कि पृथ्वी ने भोजन देना बंद कर दिया, जिससे समस्त प्राणी-जगत पर संकट के बादल मंडराने लगे। ऋषियों ने पृथु को बताया कि प्रकृति का यही नियम है कि राजा न हो, तो भूमि में कुछ नहीं उगता। इसीलिए संसार की यह दशा हो रही है। भूलोक ने सबकुछ भीतर छिपा रखा है। यह सुनकर पृथु ने अपना अस्त्र-शस्त्र उठाया और भूलोक को खोदकर उसके भीतर से भोजन निकालने को तत्पर हो गया। भूलोक ने पृथु का क्रोध देखा, तो हो, तो मैं भोजन नहीं दे सकती। वेन की मृत्यु के बाद कोई राजा नहीं बना, इसलिए मैंने भोजन देना छोड़ दिया। यदि आप राजा बन जाएंगे, तो मैं फिर से भोजन देने लगूंगी।' यह सुनकर पृथु ने कहा, 'भोजन के लिए प्रजा का राजा पर निर्भर होना सही बात नहीं है। इसलिए इसका विकल्प खोजना होगा।' पृथु ने इस समस्या पर गहन सोच-विचार किया और वह इस निष्कर्ष पर पहुंचा कि ऐसी परिस्थिति भविष्य में दोबारा भी उत्पन्न हो सकती है, इसलिए लोगों को आत्मनिर्भर बनाना होगा। अभी तक धरती स्वतः भोजन देती थी, परंतु पृथु को महसूस हुआ कि मनुष्य को धरती के गर्भ से स्वयं भोजन प्राप्त करना सीखना होगा। इसका लाभ यह था कि भूलोक द्वारा प्रदान किए जाने वाले अननदि के अतिरिक्त मनुष्य अपने पुरुषार्थ से भी पृथ्वी से भोजन पैदा कर सकेगा, ताकि भोजन का कभी अभाव न हो। इस विचार से पृथु को बड़ा संतोष हुआ और उसने तुरंत इस दिशा में कार्य आरंभ कर दिया। कहते है, पृथु ने अपने धनुष की नोंक से समस्त धरती को समतल कर दिया और भूमि के समतल होने से सर्वत्र मैदान तैयार होने लगे। इसके बाद पृथु ने खेत-खलिहान बना दिए और यहां से कृषि का आरंभ हुआ।

गांवों से मिल रही अर्थव्यवस्था को नई दिशा जीडीपी पर राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट्स से भी तस्दीक

एडीबी, स्काइमेट एवं रिजर्व बैंक, सभी की रिपोर्टों का सार यही है कि भारत के तेजी से बढ़ते हुए जीडीपी में ग्रामीण अर्थव्यवस्था की अहम भूमिका है।इन दिनों भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर प्रकाशित हो रही विभिनन राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों में कहा जा रहा है कि भारत में ग्रामीण अर्थव्यवस्था के तेजी से बढ़ने का नया परिदृश्य उभरता दिखाई दे रहा है। 10 अप्रैल को एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि भारत के तेजी से बढ़ते हुए जीडीपी में ग्रामीण अर्थव्यवस्था की अहम

भूमिका है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग और प्रमुख मौसम एजेंसी स्काईमेट ने कहा है कि अनुकूल मानसूनी मौसम के कारण इस वर्ष 2024 में भारत में अच्छी वर्षा के संकेत दिख रहे हैं। इसी प्रकार हाल ही में भारतीय रिजर्व बैंक ने भी कहा है कि इस वर्ष दक्षिण-पश्चिम मानसून के सामान्य रहने की उम्मीद है, जिससे कृषि गतिविधियों में और तेजी आएगी। गौरतलब है कि भारत के गांवों में न केवल कृषि संसाधनों की अधिक बिक्री हो रही है, बल्कि फ्रिज, दो पहिया वाहन और टीवी की खरीदारी उच्च स्तर पर है। ग्रामीण भारत के विकास के लिए सरकारी योजनाओं के तहत किए गए भारी व्यय, ग्रामीणों के रोजगार की मनरेगा योजना तथा स्वरोजगार की ग्रामीण योजनाओं से ग्रामीण परिवारों की आमदनी में तेज इजाफे के साथ उनकी क्रय शक्ति और मांग में भारी इजाफा हुआ है। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा खाद्यानन उत्पादक देश है। विश्व में भारत सबसे बड़ा दूध उत्पादक देश बना हुआ है। गेहूं तथा फलों के उत्पादन के मामले में भारत दुनिया में दूसरे स्थान पर तथा सब्जियों के उत्पादन में तीसरे स्थान पर है। विश्व स्तर पर, भारत केला, आम, अमरूद, पपीता, अदरक, भिंडी, चावल, चाय, गनन, काजू, नारियल, इलायची और काली मिर्च आदि का प्रमुख उत्पादक माना जाता है। साथ ही खाद्य प्रसंस्करण के मामले में भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है।निश्चित रूप से पिछले दस वर्षों में कृषि एवं ग्रामीण विकास का नया आधार तैयार हुआ है। देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में कृषि क्षेत्र का योगदान करीब 15 फीसदी है। कृषि बजट में दस वर्षों में पांच गुना वृद्धि हुई है। सरकार द्वारा 11 करोड़ से अधिक किसानों के खातों में पीएम किसान सम्मान निधि के तहत करीब तीन लाख करोड़ रुपये सीधे हस्तांतरित होने जैसे प्रयासों से ग्रामीण क्षेत्रों में उर्वरक, बीज, कृषि रसायन, ट्रैक्टर एवं कृषि उपकरण, जैसी कृषि क्षेत्र से जुड़ी हुई वस्तुओं के अधिक उपयोग से किसानों को लाभ हुआ है। कृषि ऋण समितियों, किसान समूहों, किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ), कृषि-उद्यमियों, स्टार्ट-अप्स और खाद्य प्रसंस्करण से जुड़े उद्योग लगाने के लिए सरकार की क्रेडिट गारंटी और ब्याज में रियायत कृषि में ड्रोन तकनीक को बढ़ावा देने जैसे जो रणनीतिक प्रयास किए हैं, उनसे भी काफी किसान लाभान्वित हुए हैं। देश में प्राकृतिक यानी जैविक खेती को विशेष प्राथमिकता दिए जाने से प्राकृतिक खेती ग्रामीण भारत के विकास का एक और नया माध्यम बनते हुएदिखाई दे रही है।जहां कोविड-19 की आपदा से लेकर अब तक भारत वैश्विक स्तर पर दुनिया के जरूरतमंद देशों की खाद्य सुरक्षा आवश्यकताओं को पूरा करने में अहम भूमिका निभाते हुए दिखाई दे रहा है, वहीं दुनिया भर में भारत अपने कृषि उत्पादों के निर्यात को भी बढ़ा रहा है। इसके अलावा, विश्व बाजार में भारत के मसालों की खुशबू की धमक बहुत अधिक बढ़ी है। इस समय दुनिया में कृषि निर्यात में भारत का स्थान सातवां है। भारत से करीब 50 हजार डॉलर से अधिक मूल्य का कृषि निर्यात होता है। इस समय भारत की खाद्य प्रसंस्करण क्षमता 12 लाख टन से बढ़कर दो सौ लाख टन हो गई है। पिछले नौ वर्षों में खाद्य प्रसंस्करण निर्यातों में 15 गुना वृद्धि हुई है। निर्यात में प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों की हिस्सेदारी 13 फीसदी से बढ़कर 23 प्रतिशत हो गई है।यह भी उल्लेखनीय है कि 24 फरवरी, 2024 को सरकार ने सहकारी क्षेत्र में दुनिया की सबसे बड़ी खाद्यानन भंडारण योजना के लिए प्रायोगिक परियोजना के तहत जिन 11 राज्यों में प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पैक्स) को लक्षित किया गया है।

सही दिशा में छोटा कदम पूरे देश के लिए साबित हो सकता है नजीर

उत्तराखंड में बन रहा नया कानून संविधान के नजरिये से पूरे देश के लिए नजीर साबित हो सकता है, जिससे प्रेरणा लेकर 'एक देश एक कानून' के तहत यूसीसी को पूरे देश में जल्द लागू करने की जरूरत है। इससे संविधान निर्माताओं द्वारा देखा गया लैंगिक समानता का स्वपन सही मायने में साकार हो सकेगा।संविधान के प्रावधानों को साकार करते हुए कर्म के लिए प्रेरित कर रहे हैं।संविधान में स्त्री और पुरुष, दोनों को बराबरी से चुनावों में वोट डालने का अधिकार है। सभी धर्मों के स्त्री और पुरुषों के लिए आपराधिक कानून भी समान है। लेकिन शादी, तलाक, बच्चे और संपत्ति से जुड़े सिविल मामलों में धर्म के आधार पर महिलाओं के साथ भेदभाव होना दुर्भाग्यपूर्ण है। डॉ. राजेंद्र प्रसाद की बातों पर अमल करते हुए वर्ष धार्मिक विरोधाभास के साथ कई कानूनी चुनौतियां भी हैं। पहला, लिव-इन के दौर में बहु-विवाह पर प्रभावी रोक कैसे लगेगी? प्रस्तावित कानून में लिव-इन में रहने की स्वघोषणा के साथ अभिभावकों को सूचना देने का प्रावधान है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले और कानून के बावजूद सभी शादियों के रजिस्ट्रेशन के नियमों का पालन नहीं हो रहा, तो फिर लिव-इन के दौर में शादी कामकाजी आबादी कम होने के साथ बूढ़ों की तादाद भी बढ़ जाएगी। यूसीसी के तहत लिव-इन से पैदा होने वाले नाजायज बच्चों को भी कानूनी अधिकार मिलेंगे। सरोगेसी के तहत भी लोग बच्चे पैदा करते हैं। इन नई चुनौतियों के बीच दो बच्चों की नीति पर प्रभावी अमल कैसे होगा? उत्तराखंड के अलावा, मध्य प्रदेश और गुजरात में भी ऐसी पहल हो रही है। समवर्ती सूची में यूसीसी से जुड़े अनेक

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने समान नागरिक संहिता (यूसीसी) पर कानून बनाने की ऐतिहासिक पहल की है। संविधान की शुरुआत 'सत्यमेव जयते' से होती है, जहां सारनाथ का सिंह कानून के शासन के महत्व को दर्शाता है। गणतंत्र के 75 साल बाद भी यूसीसी पर चल रहे असमंजस को संविधान में उकेरे गए पौराणिक आख्यानों से समझा जा सकता है। संविधान सभा में के. एम. मुंशी जैसे सदस्यों की बात मानकर अगर यूसीसी को मूल अधिकार वाले अध्याय में शामिल किया जाता, तो यह कानून सभी के लिए बाध्यकारी हो जाता। मूल अधिकार वाले अध्याय-3 में रावण को पराजित करने के बाद लौट रहे राम-लक्ष्मण और सीता के साथ अधर्म पर धर्म की जीत का चित्र है। लेकिन नजीरुद्दीन अहमद जैसे सदस्यों के विरोध की वजह से इसे मार्गदर्शक सिद्धांत वाले अध्याय-4 में डाला गया। जहां कुरुक्षेत्र में श्रीकृष्ण गीता के उपदेश से अर्जुन के मोह को हरने की कोशिश करके 1956 में हिंदू कोड बिल के साथ मुस्लिम समुदाय के लिए भी कानून बनना चाहिए था। वर्ष 1985 में शाहबानो मामले के बाद भी इस बारे में ठोस कदम उठाया जा सकता था। उसके बजाय तुष्टीकरण नीति के तहत सुप्रीम कोर्ट के फैसले को पलटने से कट्टरपंथी ताकतों को बढ़ावा ही मिला।इंडोनेशिया, बहरीन, तुर्किये और लेबनान जैसे कई मुस्लिम देशों में आधुनिक कानून लागू है, तो फिर भारत में ओवैसी जैसे कट्टरपंथी नेताओं द्वारा धर्म के आधार पर यूसीसी के विरोध को प्रधानता क्यों मिलनी चाहिए? पर्सनल लॉ के नाम पर रजस्वला होने के बाद नाबालिग मुस्लिम लड़कियों की शादी का समर्थन करने वालों को शरीयत ऐक्ट की धारा 3-बी पढ़ने की जरूरत है। कॉन्ट्रैक्ट ऐक्ट की धारा-11 के तहत ऐसे अनुबंध में दोनों पक्षों का सक्षम यानी बालिग होना जरूरी है। इसलिए शरीयत ऐक्ट की आड़ में नाबालिग मुस्लिम बच्चों की शादी गलत है।सियासी बवाल और और तलाक के मामलों का निर्धारण कैसे होगा?दूसरा, देश के कानून के अनुसार, शादी के लिए न्यूनतम उम्र लड़कियों के लिए 18 साल और लड़कों के लिए 21 साल है। लड़कियों की शादी की उम्र 18 से 21 साल करने पर संसद में कई साल से सिर्फ मंथन हो रहा है। उत्तराखंड में पूर्व जज की कमेटी ने भी माना है कि बाल-विवाह के पीछे अशिक्षा और गरीबी बड़ी वजह है। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के अनुसार, नाबालिग बच्चों के सहमति से बने संबंधों को अपराध के दायरे से बाहर रखा जाना चाहिए। इसलिए लड़कियों की उम्र को बढ़ाने के बजाय लड़कों की शादी की न्यूनतम उम्र को भी 18 साल करने पर विचार होना चाहिए। इससे लैंगिक समानता के साथ कानून-पालन का भाव बढ़ेगा।तीसरा, कुछ लोग यूसीसी को जनसंख्या विस्फोट से निपटने का कारगर उपाय मानते है। भारत में कई दशकों से जनसंख्या नियंत्रण पर सिर्फ कानून बनाने की बात हो रही है, जबकि जमीनी हकीकत यह है कि अगले 10 वर्षों में मामलों पर संसद ने कानून बनाए है। कई विषयों पर कानून बनने की जोरों से बात हो रही है। इसलिए उत्तराखंड विधानसभा में पारित होने के बाद राज्यपाल इसे केंद्रीय गृह मंत्रालय और राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए भेज सकते है। सियासत के नजरिये से राज्यों में कानून बनाना लाभकारी हो सकता है, लेकिन कई राज्यों में मनमाने तरीके से कानून निर्माण से गलत मिसाल के साथ सांविधानिक अराजकता भी बढ़ सकती है।आईपीसी, सीआरपीसी और एविडेंस ऐक्ट के औपनिवेशिक कानूनों के बजाय पूरे देश के लिए नए आपराधिक कानून बनाए गए है। नकल रोकने के लिए भी संसद से राष्ट्रीय स्तर पर कानून बन रहा है। तीन तलाक पर भी केंद्र सरकार ने प्रभावी कानून बनाया है। इसलिए संविधान के अनुच्छेद 12 के तहत दी गई राज्य की परिभाषा और विधि आयोग की सिफारिशों के अनुसार, संसद से पूरे देश के लिए यूसीसी कानून बनना चाहिए यूसीसी का मुद्दा 1989 से भाजपा के घोषणा-पत्र का हिस्सा रहा है।

पाकिस्तान के नक्शे कदम पर नेपाल, हालिया घटनाएं दे रही हैं कुछ अहम संकेत

जिस तरह पाकिस्तान में पर्दे के पीछे सरकार गठन में सेना प्रेरक की भूमिका में थी, क्या नेपाल को ऐसी प्रेरणा चीन से मिली? नेपाली कांग्रेस ने तो नेपाल के वामपंथियों के बीच सुलह कराने के पीछे चीन का हाथ होने का संकेत दिया ही है। नेपाल में बेल्ट ऐंड रोड पहल की गति को भी एक कारक के रूप में देखा जाता है।नेपाल उम्मीदवारों को विपक्ष में बैठने के लिए मजबूर कर दिया। ठीक उसी तरह नेपाली कांग्रेस, जिसने पिछले वर्ष चुनाव में सबसे ज्यादा सीटें जीती थीं, को सत्ता से बाहर कर दिया गया।दूसरी बात, संख्याबल के खेल ने खुद को दोहराया है, जिसमें सिद्धांतों के लिए कोई जगह नहीं है। नेपाल के लोग राजशाही से लेकर म्यूजिकल साथ नहीं रह सकते और ज्यादा दिनों तक अलग भी नहीं रह सकते। विरोधी खेमे के प्रतिद्वंद्वी माओवादी, कम्युनिस्ट एवं समाजवादी अब नए सहयोगी बन गए हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या नेपाली कांग्रेस सिर्फ नेपाल ही नहीं, बल्कि पूरे दक्षिण एशिया में चीन के बढ़ते प्रभुत्व और सीपीएन-यूएमएल के प्रमुख केपी शर्मा ओली के कदमों वामपंथियों के बीच सुलह कराने के पीछे चीन के हाथ होने का संकेत दिया ही है। नेपाल में चीन के बेल्ट ऐंड रोड पहल की गति को भी एक कारक के रूप में देखा जाता है।नेपाल में इस तरह के कई बदलाव हुए हैं और नेपाल का नवीनतम सियासी घटनाक्रम इन सभी कारकों का संयोजन प्रतीत होता है। पुष्प कमल

की ताजा घटनाएं कुछ महत्वपूर्ण संकेत देती हैं, जिनमें कुछ नई हैं, तो कुछ पुरानी। पहली बात तो यह है कि यह कुछ पाकिस्तान के घटनाक्रम जैसा है, जहां पिछले महीने चुनावी नतीजे के बाद त्रिशंकु सदन की स्थिति पैदा होने पर दूसरे और तीसरे नंबर की पार्टियों ने मिलकर नई सरकार बनाई और सबसे ज्यादा सीटें जीतने वाले इमरान खान की पार्टी समर्थित चेयर का खेल खेलने वाले राजनेताओं के बीच फंसकर रह गए है। नेपाली कांग्रेस के प्रमुख देउबा पांच बार और ओली दो बार प्रधानमंत्री बने है, जबकि प्रचंड का यह तीसरा कार्यकाल चल रहा है।तीसरी बात, जैसा कि एक समय दुनिया भर के समाजवादियों के लिए कहा गया था, वह नेपाली कम्युनिस्टों पर भी सटीक बैठता है कि वे कुछ समय के बाद से बेखबर थी? इसके अलावा, नेपाली कांग्रेस कुछ मंत्री पदों को लेकर प्रचंड के साथ अपने बढ़ते मतभेदों को दूर करने में क्यों असमर्थ रही?चौथी बात, जो महत्वपूर्ण है, वह यह कि जिस तरह पाकिस्तान में पर्दे के पीछे सरकार गठन में सेना प्रेरक की भूमिका में थी, क्या नेपाल को वह प्रेरणा चीन से मिली थी? सत्ता से बेदखल हुई नेपाली कांग्रेस ने तो नेपाल के दहल प्रचंड ने, जो दिसंबर, 2022 में ओली के सीपीएन-यूएमएल के समर्थन से प्रधानमंत्री बने थे, कुछ ही महीनों के बाद ओली के साथ गठबंधन तोड़कर नेपाली कांग्रेस से हाथ मिला लिया था। इस बार, कुछ परियोजनाओं के लिए बजट आवंटन के मुद्दे पर माओवादी सेंटर और नेपाली कांग्रेस के नेता और वित्त मंत्री महत और प्रचंड के बीच मतभेद बढ़ गए।

पैसा है तो दिखाएंगे, समृद्ध भारतीयों की नई पौध में शानो शौकत से जीने की चाह; नए व्यवसाय पनपने से बदलाव

देश में नए तरह के व्यवसाय पनपने से समृद्ध भारतीयों की नई पौध जन्मी है, जिनकी क्रय शक्ति ज्यादा है और वे शानो-शौकत से जीना चाहते हैं। जब कोई देश तरक्की के रास्ते पर चलने लगता है, तो वहां के पैसे वाले लोगों के जीने का तरीका ही बदल जाता है। वे शानो-शौकत की जिंदगी जीते हैं और खूब खर्च भी करते हैं। ऐसे

में विलासिता और बड़े ब्रांड के सामान की बिक्री बढ़ जाती है। पुरुषों की कलाइयों पर महंगी घड़ियां चमकने लगती हैं, तो महिलाओं के हाथों में महंगे हैंडबैग होते हैं। स्वदेशी कारें उनकी पसंद नहीं होती हैं, बल्कि मर्सिडीज, बीएमडब्लयू और यहां तक कि लैंबोर्गिनी उनकी पसंद हो जाती हैं। मध्य वर्ग फ्लैटों से निकल कर प्रीमियम मकान या फिर पेंट हाउस खरीदने लगता है। ये सारी बातें इस सदी के शुरू में चीन में खूब देखने में आईं। कहते है कि जब पैसा आता है, तो वह सिर चढ़कर बोलता है। दुनिया का हर नामी ब्रांड वहां अपनी उपस्थिति बढ़ा रहा रहने वाला भारतीय आज धड़ल्ले से लग्जरी कारें खरीद रहा है। वर्ष 2023 में भारत में हाई एंड कारों की बिक्री में उसके पिछले साल की तुलना में 21 फीसदी का इजाफा हुआ, जो एक रिकॉर्ड है। यह संख्या लगातार बढ़ रही है और समृद्ध लोगों के रुझान बता रही है। लैंबोर्गिनी कारों की कीमतें साढ़े तीन करोड़ से लेकर पौने नौ करोड़ रुपये तक होती है। वर्ष 2023 में भारत में उसकी बिक्री बढ़कर 100 तक पहुंच गई। इसी तरह सुपर बाइकों का बाजार भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। दस-दस लाख रुपये की सुपर बाइकें सड़कों पर दौड़ती दिख रही हैं। नई समृद्धि से प्रीमियम सेगमेंट के मकानों की मांग में भारी बढ़ोतरी हुई है और अब रियल एस्टेट में लग्जरी मकानों की भरमार होती जा रही है। बड़े डेवलपर करोड़ों रुपये कीमत वाले मकान बनाते जा रहे हैं। इसका एक उदाहरण दिल्ली के समीप नोएडा में दिखाई पड़ रहा है,जहां कभी एक करोड़ रुपये के मकान बहुत ही कम दिखते थे और उसे प्रीमियम हाउसिंग माना जाता था, लेकिन अब वहां दस-दस करोड़ रुपये के मकान बनने लगे हैं। गुरुग्राम तो इसमें हमेशा आगे रहा है और वहां तो 30-35 करोड़ तक के मकान बन गए हैं और प्रीमियम सेगमेंट के मकानों की बाढ़ आ गई है। भारत की आर्थिक राजधानी मुंबई में तो छोटा-सा प्लॉट भी अरबों रुपये में बिकता है। एक बड़ी रियल एस्टेट कंपनी के सीईओ ने बताया कि वहां इस समय तीन करोड़ से लेकर 50 करोड़ रुपये तक के मकानों की खूब मांग है। जिन लोगों ने पिछले कुछ समय में अच्छा-खासा पैसा कमा लिया है, वे खुलकर जिंदगी जीना चाहते हैं। उनका मोटो है-लिव लाइफ किंग साइज। आंकड़े बता रहे हैं कि 2023 में लग्जरी मकानों की बिक्री में 2022 की तुलना में 81 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। लग्जरी मकानों की मांग इतनी है कि गुरुग्राम के एक शीर्ष डेवलपर ने सिर्फ तीन दिनों में 72 अरब रुपयेमकान बेच दिए। इनमें अल्ट्रा लग्जरी मकान भी शामिल हैं, जिनकी मांग बरकरार है। महानगरों में एक नया ट्रेंड आया है विला का। कई डेवलपर इस सेगमेंट में प्रवेश कर गए है, क्योंकि खरीदारों की मांग बढ़ती जा रही है। लग्जरी मकानों की यह चाहत अपने रुतबे को बढ़ावा देने की एक कोशिश है। अति समृद्ध लोगों की लग्जरी मकानों में जबर्दस्त दिलचस्पी न केवल प्रतिष्ठा का विषय है, बल्कि बढ़िया निवेश का रास्ता भी। इसलिए एक से बढ़कर एक लग्जरी मकान देखने में आ रहे हैं। लग्जरी सामान बनाने वाली कंपनियां, जैसे गुच्ची, लुई वितो, क्रिश्चियन डीओर, शानेल, प्रादा वगैरह जो हैंड बैग बनाती हैं, उनकी कीमत लाखों में होती है और अब इनका इस्तेमाल करने वाली महिलाएं आपको भारतीय महानगरों में खूब दिखेंगी। यह उनका स्टेटस दिखाने का एक प्रयास भर है। भारत में लग्जरी घड़ियों का चलन रहा है और आने वाले समय में यह और बढ़ेगा। विशेषज्ञों का कहना है कि देश में नए तरह के बिजनेस पनपे हैं। टेकनेलॉजी ने इनमें बहुत साथ दिया है। देश में सैकड़ों स्टार्ट-अप को भारी सफलता मिली है, वेंचर कैपिटल कंपनियां काफी सक्रिय है। इन्हीं वजहों से समृद्ध भारतीयों की नई पौध सामने आई है, जिनकी क्रय शक्ति बहुत है और वे राजाओं की तरह शानो-शौकत से रहना चाहते है।

संक्षिप्त समाचार

डॉक्टर निशांत छाजेड़ की याद में गुंजन अस्पताल ने किया फ्री ओपीडी और भंडारे का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नोएडा। नोएडा डॉक्टर निशांत छाजेड़ की याद में गुंजन अस्पताल द्वारा मंगलवार को फ्री ओपीडी और भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें लोगों की काफी भीड़ जुटी।

अस्पताल के ओनर डॉक्टर वीपी सिंह ने बताया कि डॉक्टर निशांत छाजेड़ की याद में प्रत्येक मंगलवार को अस्पताल द्वारा फ्री ओपीडी और भंडारे का आयोजन किया जाता है। इस दौरान काफी भीड़ जुटती है। डॉक्टर वीपी सिंह ने कहा, बहुत से ऐसे लोग होते हैं, जिनकी इलाज तक पहुंच नहीं होती है, ऐसे में इस तरह के फ्री कैंप बहुत ही महत्वपूर्ण होते हैं। उन्होंने कहा कि इसी के मद्देनजर हमारे अस्पताल द्वारा प्रत्येक मंगलवार को फ्री कैंप लगाया जाता है और कोशिश रहती है कि अधिक से अधिक लोगों को मुफ्त इलाज मिल सके, इसके साथ ही भंडारा भी लगाया जाता है, जिसमें लोगों की भारी भीड़ उमड़ती है।

क्या है भारत और अमेरिका के बीच हुआ जेट इंजन सौदा, रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन ने की जमकर तारीफ

वाशिंगटन। अमेरिकी रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन ने बुधवार को सांसदों को बताया कि भारतीय वायु सेना के लिए संयुक्त रूप से लड़ाकू जेट इंजन बनाने का भारत-अमेरिका सौदा क्रांतिकारी है। इस ऐतिहासिक सौदे की घोषणा पिछले जून में

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका की ऐतिहासिक आधिकारिक यात्रा के दौरान की गई थी। जनरल इलेक्ट्रिक ने भारतीय वायुसेना के लिए लड़ाकू जेट इंजन बनाने के लिए हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए थे।ऑस्टिन ने सदन विनियोग उपसमिति को बताया कि संयुक्त राज्य अमेरिका के भारत के साथ महान संबंधठ हैं। उन्होंने कहा, हमने हाल ही में भारत को जेट हथियार, भारत में जेट इंजन का उत्पादन करने में सक्षम बनाया है और यह एक तरह से क्रांतिकारी है। इससे उन्हें एक बड़ी क्षमता मिलेगी। हम भारत के साथ एक बख्तरबंद वाहन का सह-उत्पादन भी कर रहे हैं।

यूक्रेन पर रूसी हमले में 17 लोगों की मौत, 60 से अधिक घायल

कीव। यूक्रेन के शहरों पर रूसी हमले जारी हैं। उसने बुधवार को उत्तरी यूक्रेन के शहर चेर्नेहिव को निशाना बनाया। मिसाइल हमले में कम से कम 17 नागरिकों की मौत हो गई और 60 से अधिक लोग घायल हो गए, जिसमें तीन बच्चे शामिल हैं। हमले में नागरिक ढांचे व अस्पताल को नुकसान पहुंचा है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने रूसी हमले के कुछ घंटे बाद पश्चिमी देशों से हथियारों की आपूर्ति करने की मांग की जिससे रूस को जवाब दिया जा सके। चेर्निहिव के कार्यवाहक मेयर ओलेक्जंडर लोमेको ने बताया कि बुधवार सुबह नौ बजे के बाद शहर के व्यस्त इलाके में तीन जोरदार धमाके हुए। इससे एक बहुमंजिला इमारत ध्वस्त हो गई।

योग कक्षा के स्थापना एवं लता भाटिया के स्मृति दिवस पर योग शिविर का हुआ आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नोएडा। नोएडा ग़ाज़ियाबाद अखिल भारतीय ध्यान योग संस्थान जानकी वाटिका कक्षा के स्थापना दिवस एवं लता भाटिया़ के स्मृति दिवस के उपलक्ष्य मे योग शिविर का आयोजन सन्त निवास,नेहरू नगर मे एवं ऑनलाइन गूगल मीट पर किया गया योग शिविर का शुभारम्भ ओ३म् की ध्वनि और गायत्री मंत्र से योगी प्रवीण आर्य द्वारा किया गया तत्पश्चात साधकों द्वारा स्व लता भाटिया के चित्र के सम्मुख पुष्पांजलि अर्पित की गई।योगी प्रवीण आर्य ने हाथों,पैरों के सूक्ष्म व्यायाम,तितली आसन का अभ्यास कराया तथा इसके लाभों की चर्चा की। योग शिक्षक राम प्रकाश गुप्ता ने सूर्य नमस्कार का अभ्यास चक्रों पर ध्यान कराते हुए कराया व इसके लाभों की चर्चा की,पश्चात शवासन में विश्राम कराया। वरिष्ठ योग शिक्षिका वीना वोहरा ने दीर्घश्वसन प्राणायाम, विरेचन क्रिया,आर्ट ऑफ लिविंग भस्त्रीका का

अभ्यास कराने के पश्चात पद्मासन में बैठाकर कपालभांति प्राणायाम चक्रों का ध्यान करते हुए बीज मंत्रों के साथ कराया और कहा इससे कण कण में ऊर्जा का संचार होता है,ब्रेन के सेल्स प्रभावित होते हैं।फिर बाह्य एवं आंतरिक कुम्भक लगवाया।उन्होंने कहा कि हमने स्व.लता भाटिया से जीवन में बहुत कुछ सीखा है यह हमारे प्रेरणा स्रोत रही हैं।लता भाटिया का प्रिय भजन ठराम नाम के हीरे मोती मैं बिखराऊं गली गलीठसुनाकर श्रोताओं को भाव विभोर कर दिया।वे 1992 से योग से जुड़ी हैं और इस कक्षा की शुरुआत 2014 में की थी। योग शिक्षिका विभा भारद्वाज ने भी भावांजली रूप में लता भाटिया को श्रद्धा सुमन अर्पित किए। योगाचार्य नेतराम ने स्व. लता भाटिया की योग क्षेत्र में योगदान की चर्चा करते हुए बताया कि मेरा उनसे 1998 में संपर्क हुआ था,उनकी सत्य वादिता,योग के प्रति लगन,बुलंद आवाज को देख नित्य प्रेरणा मिलती थी,उनके पति शांति स्वरूप भाटिया भी उनको पूर्ण सहयोग देते थे।उनके आदर्शों पर चलकर हम और भी आगे बढ़ सकते है।उन्होंने बीपी जैसे असाध्य रोगों को दूर करने हेतु अनुलोम-विलोम शांतमन से कराया और कहा इससे ऊर्जा बढ़ती है,नींद ना आने की समस्या को दूर करने के लिए भ्रामरी प्राणायाम का अभ्यास कराया। स्व लता के पति शांति स्वरूप भाटिया ऑनलाइन गूगल मीट पर जुड़े थे उन्होंने ऑनलाइन अपने विचार प्रकट करते हुए कहा की स्व लता भाटिया अपने समय में संस्थान की महिला अध्यक्षा थीं,रोटरी क्लब में भी बढ़चढ़ कर कार्य करती थीं,अपने आप में पूर्ण हंसमुख स्वभाव की थी,आज भी ऐसे लगता है जैसे मेरे साथ ही हैं। कार्यक्रम का कुशल संचालन योगी प्रवीण आर्य ने किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से सर्वश्री जॉली शर्मा, उमा शर्मा, वीना गुप्ता, डा प्रमोद सक्सेना, संजय खंडेलवाल, बिमला रानी, माला सिंह, नूतन वार्ष्णेय, दर्शना महता, मीनाक्षी अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

भाजपा चुनाव कार्यालय पर हुई बैठक

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नोएडा। नोएडा गौतमबुद्ध नगर भाजपा की चुनावी बैठक चुनावी कार्यालयँ-58, सेक्टर 58 नोएडा में आयोजित हुई। इस बैठक को राज्यसभा सांसद एवं नोएडा प्रभारी श्रीमती कांता करदान और चुनाव की दृष्टि से लोक सभा प्रभारी और पूर्व जि.ला अध्यक्ष अनिल शिशोदिया और नोएडा जि.लाध्यक्ष मनोज गुप्ता ने लिया।कांता करदान ने सभी मंडल अध्यक्षों से हर बूथ, सेक्टर के बारे में विस्तार से जानकारी ली और चुनाव की हर बारीक गतिविधि को समझा। उन्होंने चुनाव समिति के हर अधिकारी से भी उनके विषय में चर्चा की। उन्होंने इसके साथ कहा कि अब हमारे पास समय बहुत कम बचा है और इस समय हमको अपने मण्डल और बूथ पर ही कार्य करना चाहिए ताकि हम ज़्यादा से ज़्यादा संपर्क कर सकें।

आज की स्थिति देखी जाये तो गौतमबुद्ध नगर में विपक्ष की हालत ख़स्ता है और जिस तरह मोदी और योगी की डबल इंजन की सरकार ने नोएडा में विकास की गंगा बहाई है कोई बड़ी बात नहीं की विपक्ष की जमानत ही जप्त हो जाये। अब हमको सिर्फ. एक लक्ष्य पर कार्य करना है कि लोग ज़्यादा से ज़्यादा वोट डालें और माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी को तीसरी बार भारत का प्रधानमंत्री बनायें। लोक सभा प्रभारी अनिल शिशोदिया ने कहा जनता से सतत् संपर्क व संवाद भाजपा की विजय का आधार है। इसलिए हमें प्रत्येक बूथ व घर और हर व्यक्ति तक संपर्क व संवाद के माध्यम से केंद्र व प्रदेश सरकार की योजनाएं तथा पार्टी की नीतियों को पहुंचाने का काम करना है। बैठक में सह प्रभारी के के शुक्ल, लोकसभा विस्तारक सुखपाल, महामंत्री उमेश त्यागी, गणेश जाटव, धर्मेंद्र कोरी, सुनील भाटी, गिरजा सिंह , मनीष शर्मा, युद्धवीर चौहान, गिरीश कोटनाला , मीडिया प्रभारी तन्मय शंकर, विनोद शर्मा, धर्मेंद्र गुप्ता, मंत्री एस पी चमोली, प्रमोद बेहाल, चमन आवाना, अमरीश त्यागी, मंडल अध्यक्ष लोकेश कश्यप, पंकज झा, रवि प्रधान, गोपाल गौड़, कल्लू सिंह, निर्मल सिंह, प्रदीप चौहान, सत्य नारायण महावर, उमेश यादव, शारदा चतुर्वेदी, प्रज्ञा पाठक, पूनम सिंह, सचिन अम्बवता, ओम यादव, गौतम शर्मा, सरफ़र्ज़. अली आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

श्री राम जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नोएडा। सरस्वती शिशु मंदिर में विश्व हिन्दू परिषद, नोएडा महानगर ने श्री राम जन्मोत्सव का कार्यक्रम मनाया जिसमें महानगर मंत्री दिनेश महावर का बौद्धिक रहा, उन्होंने भगवान श्री

राम के चरित्र का वर्णन करते हुए माता सीता के स्वयंवर में शिव जी के धनुष तोड़ने और श्रीराम के विवाह का प्रसंग सुनाया और बताया कि कैसे श्री राम ने मर्यादायें निभाई, उन्होंने कहा कि पहले कई विवाह करने के साथ राजा की कई रानियाँ होने का प्रचलन था, परंतु श्रीराम ने सीता जी से विवाह करके एक ही रानी हो, ऐसा प्रण लेकर मर्यादा निभायी. तत्पश्चात, गतवर्ष की भांति नोएडा शहर में श्री हनुमान जी की शोभा यात्रा निकालने के विषय पर विभाग, महानगर और प्रखंड के सभी कार्यकर्ताओं के बीच यात्रा के मुख्य बिंदुओं पर चर्चा हुई. इस बैठक में विभाग, नोएडा महानगर और प्रखंड के दायित्वान कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक में, विभाग संयोजक ललित जी , महानगर अध्यक्ष बहन छाया जी ,महानगर मंत्री दिनेश महावर जी, महानगर संयोजक सुमित जी, महानगर उपाध्यक्ष सतबीर जी, महानगर धर्म प्रसार प्रमुख राजीव शर्मा एवं महानगर सह प्रचार प्रमुख राहुल दुबे, सुरक्षा प्रमुख अजीत जी, सह धर्म प्रसार प्रमुख जितेंद्र जी व अन्य महानगर पदाधिकारी एवं प्रखंड कार्यकारणी के सभी सदस्यों की उपस्थिति रही।

खड़ी फसल में आग लगने से लगभग अट्ठारह बीघा उड़द और लगभग दर्जनों बीघा गेहूं व एक ट्रैक्टर जलकर हुए खाक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। पूरी खबर उत्तर प्रदेश के जनपद सोनभद्र से है जहां जनपद के ग्राम सभा नरैना (पोस्ट ओईनी मिश्र बड़हर सोनभद्र) में अज्ञात कारणों से खड़ी फसल में आग लग गई। जिसमें कई बीघे गेहूं और उड़द की फसल सहित खलिहान में रखा पुआल व खड़ी ट्रैक्टर जलकर राख हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार अभी तक आग से 10 बीघा गेहूं की फसल जलकर हुई खाक वही 18 बीघा उड़द जलकर राख हो गई। जिसमें जीतन सिंह का 10बीघा गेहूं। राकेश सिंह 6 बीघा उरद और 10 हस्ती पाइप। श्रीनिवास 6 बीघा उरद और 10 हस्ती पाइप। गुलाब सिंह 6 बीघा उरद और 10 हस्ती पाइप रब्बू नाम के व्यक्ति की ट्रैक्टर जलकर राख हो गई। वहीं प्राप्त जानकारी के अनुसार खबर लगने तक अभी तक आग पर काबू नहीं पाया गया था। हालांकि मौके पर अगिन शमन की पहुंच चुकी थी।

विजयगढ़ दुर्ग पर 22 अप्रैल से दो दिवसीय विशाल हिंदू मेले का किया गया है आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। मेले में पहुंचेंगे भारी संख्या में श्रद्धालु, सुरक्षा का रहेगा पुख्ता इंतजाम धर्मसभा की बैठक के साथ ही होगा ध्वज पूजन, अखंड हरिकीर्तन, रासलीला, रामसरोवर आरती, हनुमान जन्मोत्सव, सुंदरकांड पाठ शिवचर्चा और विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम सोनभद्र। विजयगढ़ दुर्ग प्रबंधन समिति सोनभद्र की ओर से विगत वषी की भांति इस वर्ष भी विजयगढ़ दुर्ग पर 22 अप्रैल से दो दिवसीय विशाल हिंदू मेले का आयोजन किया गया है। मेले में भारी संख्या में श्रद्धालु पहुंचेंगे, जिसकी वजह से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम रहेगा। इसमें धर्मसभा की बैठक के साथ ही अखंड हरिकीर्तन, रासलीला, श्री राम सरोवर आरती, हनुमान जन्मोत्सव, सुंदरकांड पाठ, शिवचर्चा और विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूज्य संत समर्थ स्वामी रामदास जी महाराज बालासाड गुजरात, विशिष्ट अतिथि राजा विजयगढ़ चंद्र विक्रम पदम शरण शाह, विश्व हिंदू परिषद गोरक्षा प्रमुख माधाराम जी और सोनभद्र सदर विधायक भूपेश चौबे जी होंगे। विशाल हिंदू मेला विजयगढ़ दुर्ग के संयोजक एडवोकेट रवि प्रकाश चौबे ने बताया कि सोनभद्र मुख्यालय से 18 किमी पूर्व दिशा में स्थित विजयगढ़ दुर्ग पर विगत वषी की भांति इस वर्ष भी 22 अप्रैल से दो दिवसीय विशाल हिंदू मेले का आयोजन किया गया है। जिसमें भरी संख्या में श्रद्धालु पहुंचेंगे। इसके मद्देनजर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूज्य संत समर्थ स्वामी श्री रामदास जी महाराज बलसाड़ गुजरात होंगे।

थाना राजगढ़ पुलिस द्वारा गांजा तस्कर गिरफ्तार, 2.450 किग्रा अवैध गांजा बरामद

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
मीरजापुर। थाना राजगढ़ क्षेत्र से मोटरसाइकिल सवार एक अभियुक्त दीपू करवल पुत्र राजू करवल निवासी राजगढ़ कंजड़ बस्ती थाना राजगढ़ जनपद मीरजापुर को गिरफ्तार किया गया । गिरफ्तार अभियुक्त उपरोक्त के पास से 2.450 किग्रा अवैध गांजा बरामद हुआ । उक्त गिरफ्तारी व बरामदगी के सम्बन्ध में थाना राजगढ़ पर मु0अ0सं0-62/2024 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट पंजीकृत कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए गिरफ्तार अभियुक्त को मा0न्यायालय/जेल भेजा गया तथा गांजा तस्करी में प्रयुक्त मोटरसाइकिल वाहन संख्याःऊइ64ल978 को अन्तर्गत धारा 207 एमवी एक्ट में सीज किया गया।

मतदाताओं को किया जागरूक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नोएडा। नोएडा एवियर एजुकेशनल हब डिग्री कॉलेज और युवा क्रांति सेना ने अपने देश का भविष्य तय करने वाले युवा मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित करते हुए अपने परिवार और पड़ोसियों के साथ मतदान करने

के लिए अपील भी की। इस अवसर पर नोएडा अपैरल एक्सपोर्ट क्लस्टर के चेयरमैन ललित ठुकराल, मदरलैंड अस्पताल के चेयरमैन डॉ बबित कुमार, एवियर कॉलेज के चेयरमैन संदीप सिंह, युवा क्रांति सेना के अध्यक्ष अविनाश सिंह, और कवि एडवोकेट दीपक शंखधर ने सैकड़ों युवाओं को मतदान के लिए शपथ भी दिलवाई। इस अवसर पर एनएईसी ललित ठुकराल ने कहा की इस बार हमारा जिला पूरे देश में वोटिंग पर्सेंटेज में शीर्ष पर काबिज होगा जिसमे अहम भूमिका युवाओं की होगी। यही हम सभी का लक्ष्य भी है। युवा क्रांति सेना के अध्यक्ष अविनाश सिंह ने कहा की आज देश चुनाव को पर्व के रूप में मना रहा है जिसका श्रेय हमारी युवा पीढ़ी को जाता है जिसने मतदान के लिए अपनी और अपनो की सोच बदली। इस अवसर पर कवि दीपक शंखधर ने अपनी कविता से सभी छात्र छात्राओं को मतदाता बनने के लिए प्रेरित किया और उनसे शत प्रतिशत अपने आसपास के लोगो को मतदान करवाने के लिए अपील की। मदरलैंड अस्पताल के चेयरमैन डॉ बाबित कुमार ने कहा की हम युवा देश है। हमारे देश का भविष्य ही युवा तय करते हैं। आपका एक वोट हमारे विकास की कहानी लिखेगा।

अलग अलग ब्राण्ड का अवैध ग्रेजी शराब हुआ बरामद

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र।थाना बभनी पुलिस द्वारा अवैध मादक पदार्थों की तस्करी पर लगातार किया जा रहा प्रहार, एक नफर अभियुक्त गिरफ्तार, अभियुक्त के दुकान व खेत में झाड़ियों के निचे छिपाकर रखे 05 पेटियों में कुल 225 शीशी(अनुमानित कीमत 25,000 रुपये) भिनन भिनन ब्रांड के म0प्र0 निर्मित अवैध अंग्रेजी शराब बरामद पुलिस अधीक्षक सोनभद्र डॉ0 यशवीर सिंह के निर्देशन में आगामी लोकसभा निर्वाचन 2024 के दृष्टिगत अपराध एवं अपराधियों तथा अवैध मादक पदार्थों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक आप0 सोनभद्र के पर्यवेक्षण एवं श्रीमान् क्षेत्राधिकारी दुद्धी के नेतृत्व में आज दिनांक 20.04.2024 को बभनी पुलिस द्वारा छत्तीसगढ़ बार्डर आसनडीह बैरियर के पास चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर परसाटोला अभियुक्त की दुकान एवं ग्राम पोखरा स्थित उसके घर के पीछे खेत में झाड़ियो के निचे छिपाकर रखे पांच पेटियो में कुल 225 शीशी (180 स्त) भिनन भिनन ब्रांड के म0प्र0 निर्मित अवैध अंग्रेजी शराब बरामद कर थाना बभनी पर मु0अ0सं0-50/2024 धारा 60/63 आबकारी एक्ट पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही की जा रही है । बभनी पुलिस के इस सराहनीय कार्य से मादक पदार्थ की तस्करी पर अंकुश लगेगा । गिरफ्तार अभियुक्त-1.प्रदीप पुत्र चन्द्रिका प्रसाद निवासी ग्राम पोखरा, थाना बभनी, सोनभद्र उम्र करीब 23 वर्ष ।बरामदगी का विवरण- 1.कुल 225 शीशी (180 स्त्) म0प्र0 निर्मित अवैध अंग्रेजी शराब कीमत लगभग 25000/- रू0 ।गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम -1.प्रभारी निरीक्षक सदानन्द राय, थाना बभनी, जनपद सोनभद्र ।2.उ0नि0 अभय नाथ सिंह यादव, थाना बभनी, जनपद सोनभद्र ।3.हे0का0 भरत यादव, हे0का0 प्रदीप कुमार सिंह, हे0का0 रामआशीष यादव, का0 मन्टू कुमार सिंह, थाना बभनी, जनपद सोनभद्र ।

डीजे बजाने के विवाद में चटकी लाठियां, महिला समेत पांच घायल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
पन्नूगंज। थाना क्षेत्र के पकरहट गांव में मंगलवार की रात बरात में डीजे बजाने को लेकर विवाद हो गया। मारपीट में दोनों पक्षों से सगे भाइयों समेत पांच लोग घायल हुए। सभी का पीएचसी चतरा में उपचार कराया

गया।मंगलवार की रात गांव में संतोष पटेल के घर बरात आई थी। इसी में डीजे बजाने को लेकर गांव के ही दो पक्षों में विवाद हो गया। कहासुनी के बाद दोनों पक्षों से लाठियां निकल आईं। जमकर हुई मारपीट में एक पक्ष से धीरज पटेल (27), उसका भाई नीरज (22), राजू (25), उर्मिला देवी (40) और दूसरे पक्ष से आलोक (22) को चोट आई। मौके पर पहुंची पन्नूगंज पुलिस ने सभी का इलाज प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चतरा में कराया। मामले में दोनों पक्षों की तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

थाना म्योरपुर पुलिस ने गैंगेस्टर एक्ट में वांछित चल रहे अपराधी को किया गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक जनपद सोनभद्र के निर्देशन में एवं अपर पुलिस अधिक्षक (आप0) के पर्यवेक्षण में व क्षेत्राधिकारी दुद्धी के नेतृत्व में वर्तमान समय में वांछित/वारण्टी अपराधियों के विरुद्ध प्रचलित अभियान के तहत आज दिनांक 20.04.2024 को थाना म्योरपुर पुलिस द्वारा थाना म्योरपुर परिवहन, विक्रय तथा वितरण करने के तस्करी के कार्यों में संलिप्त है । गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण - 1.श्रीराम जायसवाल पुत्र बेला निवासी ग्राम पिण्डारी सेवकाडाड़, थाना बीजपुर, जनपद सोनभद्र उम्र करीब 36 वर्ष । गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम का विवरणः - 1.प्रभारी निरीक्षक हेमन्त कुमार

पर पंजीकृत मु0अ0सं0 -38/2024 धारा- 3(1) गैंगेस्टर एक्ट में वांछित चल रहे अपराधी श्रीराम जायसवाल पुत्र बेला निवासी ग्राम पिण्डारी सेवकाडाड़, थाना बीजपुर, जनपद सोनभद्र उम्र करीब 36 वर्ष को सेवकामोड़ से गिरफ्तार किया गया । उक्त अपराधी का गिरोह अवैध नकली शराब का निर्माण, संग्रह, सिंह, थाना म्योरपुर, जनपद सोनभद्र । 2.उ0नि0 विनोद कुमार यादव, चौकी प्रभारी लिलासी, थाना म्योरपुर, जनपद सोनभद्र । 3.हे0का0 श्रीराम यादव, थाना म्योरपुर, जनपद सोनभद्र । 4.का0 अनिल कुमार, थाना म्योरपुर, जनपद सोनभद्र ।

हिण्डालकों रेनूसागर द्वारा विशिष्ट चिकित्सा शिविर का आयोजन संपन्न

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
अनपरा (सोनभद्र)। हिण्डालकों रेनूसागर ग्रामीण विकास विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम के अर्न्तगत ग्रामसभा सिन्दूर के ग्राम मकरा में विशिष्ट चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के अर्न्तगत हिण्डालको रेनूसागर चिकित्सालय के बालरोग चिकित्सक डा0 श्याम सुन्दर, दन्त चिकित्सक डा0 राजेश कुमार सिंह व चिकित्सक डा0 मनोज कुमार द्वारा कुल 114 ग्रामीणों का परीक्षण कर निःशुल्क दवा वितरित की गयी । कार्यक्रम में म्योरपुर से आये चिकित्सा अधीक्षक डा0 पी एन सिंह व उनकी टीम ने इस कार्य की बहुत सराहना की। कार्यक्रम शुभारम्भ के पूर्व वरिष्ठ समाजसेवी राम सेवक यादव ने चिकित्सकों को पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया,ततपश्चात संयुक्त रूप से चिकित्सको द्वारा फीता काट कर विशेष चिकित्सा शिविर का शुभारम्भ किया गया । इस कार्यक्रम के साथ ही ग्राम मकरा में स्वच्छता कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया जिसमे रेनूसागर के अधिकारीगण कुंज बिहारी दुबे,बृजेश कुमार सिंह, परमेश्वर सगारे, अल्कनंदा सिंह, अभिलाष झा व मकरा विद्यालय के बच्चें सहित भारी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे। ग्रामीण विकास विभाग के प्रभारी अनिल झा ने कार्यक्रम का सञ्चालन करते हुए सभी का आभार व्यक्त किया तथा कहा कि बदलते मौसम में सभी अपने आप को सुरक्षित रखते हुए आवश्यक कायी को अंजाम दे,अंत में उन्होंने सभी चिकित्सको व उनके सहयोगी साथ ही आगुंतकों को धन्यवाद दिया। कार्यक्रम सफल बनाने के लिए ग्रामीण विकास विभाग टीम का सहयोग सरहनीय रहा। ग्रामीणों ने काफी संख्या में उपस्थित हो कर चिकित्सा शिविर का लाभ उठाते हुए कार्यक्रम की भरपूर सरहना की।

बाबा साहब के जन्मदिन पर निकाली गई शोभा यात्रा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र, राबर्ट्सगंज। भारत रतन बाबासाहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की 133 वीं जयंती रविवार को विभिनन स्थलों पर बहुत ही धूमधाम से मनाई गई। सहोजन कला मोहाल वार्ड नंबर 4 में बाबा साहब की जयंती बड़ी ही धूमधाम से मनाई गई। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सुश्री नीतू संजीवइया व चित्रा जालान प्रधानाचार्या दी आर्यनस अकेडमी ने बाबा साहब की मूर्ति पर माल्यार्पण कर उनको श्रद्धा सुमन अर्पित किया व बाबा साहेब के बताए मार्ग पर चलने की अपील की।साथ ही कहा कि हमको उनके जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए व समाज में व्याप्त बुराइयों को जड़ से खत्म करने का प्रयास करना चाहिए। इसके पश्चात सहोजन कला मोहाल वार्ड नंबर 4 से शोभा यात्रा गाजे बाजे के साथ निकाली गई। जिसमें बाबा साहब के नाम का नारा लगाते हुए जब तक सूरज चांद रहेगा बाबा तेरा नाम रहेगा, बाबा साहेब अमर रहें जैसे नारों से सबको विभुतित किया। शोभा यात्रा पूरे गांव से होते हुए फतेह चौराहा सहिजन खुर्द तक ले जायी गयी । यात्रा में भारी संख्या में पुरुष ,महिलाएं व युवा ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम समापन से पूर्व बाबा साहब का जन्मदिन केक काटकर मनाया गया। जिसके लिए बच्चे काफी उत्साहित दिखाई दे रहे थे। शोभा यात्रा में मुख्य अतिथि सुश्री नीतू व श्रीमती चित्रा जालान ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया व महिलाओं से बातचीत करते हुए उनके विचारों को समझते हुए अपनी बात भी कही बताया कि बाबासाहेब को सच्ची श्रद्धांजलि तभी होगी ।

निषाद समाज को राजनैतिक रूप से संगठित होने के साथ ही शैक्षणिक रूप से मजबूत होने की आवश्कता है

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
मीरजापुर। जो समाज अपने महापुरुषों का स्मरण नहीं करता, वो समाज कभी आगे नहीं बढ़ सकता है

मीरजापुर, 13 अप्रैल निषाद समाज को राजनैतिक रूप से संगठित होने के साथ ही शैक्षणिक रूप से मजबूत होने की आवश्कता है।यह विचार अपना दल एस की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय वाणिज्य व उद्योग राज्य मंत्री श्रीमती अनुप्रिया पटेल ने शनिवार को जनपद के बालूघाट चुनार में आयोजित गुहराज निषाद जी की जयंती के अवसर पर व्यक्त किया। श्रीमती अनुप्रिया पटेल ने इस अवसर पर कहा कि जो समाज अपने महापुरुषों का स्मरण नहीं करता, वो समाज कभी आगे नहीं बढ़ सकता। उन्होंने कहा कि जो समाज अपने महापुरुषों के इतिहास से प्रेरित नहीं होता, वह समाज कभी भी गौरव के भाव से पूर्ण नहीं हो सकता। श्रीमती अनुप्रिया पटेल ने कहा कि आप निषाद राज का स्मरण करके उनके व्यक्तित्व से निरंतर स्वयं प्रेरेरित हो रहे है एवं आने वाली पीढ़ियों को उनके इतिहास को जानने में अपना योगदान दे रहे है। यह सराहनीय कार्य है। केंद्रीय मंत्री श्रीमती अनुप्रिया पटेल ने कहा कि इसके साथ हमें एक और काम करने की जरूरत है। हमारा निषाद राज आजादी के 75 सालों बाद भी शैक्षणिक दृष्टि से अत्यंत पिछड़ा हुआ है। उन्होंने निषाद समाज से आह्वान किया कि आज के इस अवसर पर मैं आप सभी से यही कहना चाहती हूं कि आप राजनैतिक रूप से संगठित हों। यह नितांत आवश्यक है, लेकिन इसके साथ ही साथ आप शैक्षणिक रूप से और मजबूत बनिए यह भी बहुत आवश्यक है। यदि आप सही मायने में पिछड़ेपन की बेड़ियों से आजाद होना चाहते है तो शिक्षा से बेहतर इसका कोई माध्यम नहीं हो सकता है। इसलिए आप अपने बच्चों की शिक्षा पर विशेष ध्यान दीजिए। ये भावी पीढ़ी शिक्षित होकर ही आपके समाज को आगे ले जा सकती है। श्रीमती अनुप्रिया पटेल ने कहा कि जितना योग्य अगली पीढ़ी होगी, उतना ही समाज का भविष्य उज्जवल होगा। आप कितनी भी ताकत अर्जित कर लीजिए, लेकिन यदि योग्यता और शिक्षा का अभाव है, तो हम उन उचांइयों के साथ न्याय नहीं कर पाते हैं। अपना दल एस की राष्ट्रीय अध्यक्ष ने लोगों से आह्वान किया कि आज आप यह भी संकल्प लीजिए कि आने वाले समय में आप और मजबूत होते जाएं। हमें युवा पीढ़ी को नशामुक्त रखने का भी संकल्प लेना है। इस अवसर पर श्रीमती अनुप्रिया पटेल ने मिर्जापुर में स्थापित निषादराज की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।कार्यक्रम आयोजन करता नगर अध्यक्ष रामश्ररे निषाद।

थाना बभनी पुलिस ने एक नफर अभियुक्त को किया गिरफ्तार, उसके कब्जे से कुल 4 किलो 800 ग्राम गाजां बरामद

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र के निर्देशन में आगामी लोकसभा निर्वाचन-2024 के दृष्टिगत अपराध एवं अपराधियों तथा अवैध मादक पदार्थ के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में दिनांक 19.04.2024 को थाना बभनी पुलिस द्वारा छत्तीसगढ़ बार्डर आसनडीह बैरियर के पास रन्दह जाने वाली मार्ग पर चेकिंग के दौरान करचाटोला तिराहा के पास से एक अभियुक्त के कब्जे से कुल 4 किलो 800 ग्राम अवैध गाजां बरामद कर गिरफ्तार किया गया । बरामदगी एवं गिरफ्तारी के सम्बन्ध में थाना बभनी पर मु0अ0सं0-49/2024 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही की जा रही है । गिरफ्तार अभियुक्त- 1.लक्ष्मी प्रसाद पुत्र संकठा प्रसाद निवासी करचा टोला रन्दह, थाना बभनी, जनपद सोनभद्र उम्र करीब 35 वर्ष । बरामदगी- 1.कुल 4 किलो 800 ग्राम नाजायज गाजां कीमत लगभग 25000/- रू0

। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम - 1.प्रभारी निरीक्षक सदानन्द राय, थाना बभनी, जनपद सोनभद्र । 2.उ0नि0 अभय नाथ सिंह यादव, थाना बभनी, जनपद सोनभद्र । 3.हे0का0 भरत यादव, हे0का0 प्रदीप कुमार सिंह, हे0का0 रामआशीष यादव, का0 मन्टू कुमार सिंह, थाना बभनी, जनपद सोनभद्र ।

गुजरात के खिलाफ ऋषभ पंतू ने की दो शानदार स्टंपिंग, पेश कर दी टी20 वर्ल्ड कप के लिए अपनी दावेदारी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स (अ) के कप्तान ऋषभ पंत ने बुधवार 17 अप्रैल को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में गजब की स्टंपिंग देखने को मिली। ऋषभ पंत ने विकेट के पीछे दो कैच भी लपका। ऋषभ पंत की फील्डिंग देख ऐसा लग रहा था कि वह टी20 वर्ल्ड कप खेलने के लिए अपनी दावेदारी पेश कर रहे हों। आईपीएल 2024 के 32वें मैच में दिल्ली कैपिटल्स का सामना गुजरात टाइटंस से हुआ। दिल्ली के कप्तान ऋषभ पंत ने विकेट के पीछे से अभिनव मनोहर और शाहरुख खान का शिकार किया। दोनों को स्टंप आउट कर पवेलियन की राह दिखाई। दिल्ली ने गुजरात को उसी के मैदान पर 6 विकेट से मात दी। मुकेश कुमार ने तीन विकेट लिए।आईपीएल 2024 के 32वें मैच में दिल्ली कैपिटल्स का सामना गुजरात टाइटंस से हुआ। दिल्ली के कप्तान ऋषभ पंत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। अपने घरेलू मैदान पर खेल रही गुजरात टाइटंस की हालत दिल्ली के गेंदबाजों के आगे खराब दिखी। ईशांत शर्मा ने दूसरे ही ओवर में शुभमन गिल को आउट क्या किया टीम इस झटके से उबर ही नहीं पाई।गुजरात के खिलाफ विकेट पीछे से पंत की रणनीति जीतनी कारगर रही उतनी ही चर्चा उनकी फील्डिंग की भी रही। ऋषभ पंत ने विकेट के पीछे से अभिनव मनोहर और शाहरुख खान का शिकार किया।

शुभमन गिल ने इन खिलाडियों को बताया गुजरात टाइटंस की हार का मुजरिम, कहा- अगर डबल हैट्रिक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में बुधवार को खेले गए मैच में दिल्ली कैपिटल्स (अ) ने गुजरात टाइटंस (उऊ) को 6 विकेट से रौंदकर बड़ी जीत हासिल की। पहले बैटिंग करते हुए गुजरात टाइटंस की शुरुआत खराब रही। दिल्ली के पैसर्स ने गुजरात को 89 रन पर ऑलआउट कर दिया दिल्ली कैपिटल्स ने गुजरात टाइटंस को 6 विकेट से पटखनी दी और आईपीएल के इतिहास की सबसे बड़ी जीत (गेंदों के हिसाब से) दर्ज कराई। दिल्ली कैपिटल्स ने 90 रन का पीछा करते हुए 67 गेंद शेष रहते हुए मुकाबला अपने नाम किया। दिल्ली कैपिटल्स की तरफ से जेक ने 20 रन बनाए। अभिषेक ने 15 शाई ने 19 और कप्तान पंत ने 16 रन बनाए गुजरात टाइटंस के दोनों ओपनर्स सस्ते में पवेलियन लौटे, जिसके बाद गुजरात की टीम शुरुआती झटकों से उबर नहीं सकी और टीम लगातार

विकेट खोती चले गई गुजरात टाइटंस पूरे 20 ओवर का भी खेल नहीं खेल सकी और 17.3 ओवर में 89 रन बनाकर ढेर हो गई। इसके जवाब में दिल्ली कैपिटल्स की टीम ने 8.5 ओवर में 4 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। दिल्ली कैपिटल्स द्वारा मिली करारी हार के बाद गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल काफी निराश दिखे।गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने मैच हारने के बाद पोस्ट मैच प्रजेंटेशन के दौरान कहा कि पिच का टीम के खराब प्रदर्शन में कोई रोल नहीं है। गिल ने आगे कहा कि मैं और बाकी बैटर्स ने शॉट सेलेक्शन को जिम्मेदार ठहराया। गिल ने कहा कि हमारी बैटिंग काफी एवरेज थी। इस मैच से आगे बढ़ने और जोरदार कमबैक करने की हमें जरूरत है। अगर आप कुछ विकेट गिरने को देखेंगे तो लगेगा कि विकेट बिल्कुल ठीक था, लेकिन हमारी बैटिंग खराब थी। जैसे ऋद्धिमान भाई और साई सुदर्शन आउट हुए, उसमें पिच का कोई दोष नहीं। हमारे शॉट सेलेक्शन ही खराब रहे। अगर 90 रन के चेज में जब तक कोई गेंदबाज डबल हैट्रिक नहीं लेता, तब तक विरोधी टीम मैच में बनी रहती है।गुजरात टाइटंस की टीम पहले बैटिंग करते हुए17.3 ओवर में 89 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। राशिद खान के बल्ले से सबसे ज्यादा 31 रन निकले। उनके अलावा कोई भी ज्यादा रन नहीं बना सका। दिल्ली की टीम की तरफ से मुकेश कुमार ने तीन और ईशांत और स्टब्स को दो-दो सफलता मिली। 90 रन का पीछा करते हुए दिल्ली कैपिटल्स ने 67 गेंद शेष रहते ही मैच अपने नाम कर लिया। यह दिल्ली कैपिटल्स की गेंदों के हिसाब से आईपीएल के इतिहास की सबसे बड़ी जीत रही।

इन टीमों का हुआ बुरा हाल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स की टीम ने आईपीएल 2024 के 32वें मैच में गुजरात टाइटंस को 6 विकेट से उसी के घर में रौंदा। यह एक लो स्कोरिंग मैच रहा, जिसमें दिल्ली कैपिटल्स ने जीत हासिल की। गुजरात टाइटंस ने पहले बैटिंग करते हुए दिल्ली को 90 रन का लक्ष्य दिया। इसके जवाब में दिल्ली की टीम ने 8.5 ओवर में 4 विकेट खोकर ये चेज किया। आईपीएल 2024 में खराब शुरुआत के बाद दिल्ली कैपिटल्स की टीम जीत की पटरी पर लौट आई है। पंत की कप्तानी वाली दिल्ली कैपिटल्स ने आईपीएल 2024 के 32वें मैच में गुजरात टाइटंस को 6 विकेट से धूल चटाई और आईपीएल 2024 में अपनी तीसरी जीत हासिल की। गुजरात द्वारा मिले 90 रन का दिल्ली की टीम ने 67 गेंद बाकी रहते हुए किया।

चमारी अथापथु ने खेली 195 रन की ऐतिहासिक पारी, महिला श्रीलंका टीम ने हासिल की वनडे इतिहास की सबसे बड़ी जीत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। चमारी अथापथु की अगुवाई में महिला श्रीलंका टीम ने इतिहास रच दिया है। बुधवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेले गए वनडे मैच को श्रीलंका ने 6 विकेट से जीत लिया। इसी के साथ तीन मैचों की सीरीज में श्रीलंका ने 1-1 की बराबरी भी कर ली। दक्षिण अफ्रीका के पोटचेफस्ट्रूम के सेनवेस पार्क में खेले गए मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका टीम ने 302 रन बनाए। कप्तान लॉरा वुलफार्ट ने 147 गेंदों पर 184 रन की पारी खेली। श्रीलंका की ओर से कविशा दिलहारी ने दो विकेट झटके। वहीं, इस लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका की ओर से कप्तान चमारी अटापट्टू ने शानदार 139 गेंदो पर पारी खेली। श्रीलंका की ओर से कविशा दिलहारी ने दो विकेट झटके। वहीं इस लक्ष्य का पीछा करते हुए साउथ अफ्रीका टीम 44. 3 ओवर में मैच को जीतने में कामयाब रही। दक्षिण अफ्रीका के पोटचेफस्ट्रूम के सेनवेस पार्क में खेले गए मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका टीम ने 302 रन बनाए। कप्तान लॉरा वुलफार्ट ने 147 गेंदों पर 184 रन की पारी खेली। श्रीलंका की ओर से कविशा दिलहारी ने दो विकेट झटके। वहीं, इस लक्ष्य का पीछा करते हुए साउथ अफ्रीका टीम 44. 3 ओवर में मैच को जीतने में कामयाब रही। श्रीलंका की ओर से कप्तान चमारी अटापट्टू ने शानदार 139 गेंदो पर 195 रन की पारी खेली। चामरी ने 139 गेंद का सामना किया और 26 चौके व पांच छक्के लगाए। वहीं, नीलाक्षी डिसिल्वा ने नाबाद अर्धशतकीय पारी खेली। श्रीलंका की टीम ने चार विकेट गंवाकर 305 रन बनाए। बता दें कि श्रीलंका की महिला टीम की ओर से वनडे की इतिहास में बनाए गए ये सबसे सर्वाधिक रन है।

ऐतिहासिक बना आरसीबी और एसआरएच टूटा टी-20 क्रिकेट का सबसे बड़ा रिकॉर्ड; हारकर भी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने कर दिया कमाल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। चिननस्वामी के मैदान पर टी-20 क्रिकेट इतिहास का सबसे गजब का मुकाबला खेला गया। चौके-छक्कों की नॉन स्टॉप बारिश हुई और रनों का अंबार लगा। पहले बल्लेबाजी करते हुए सनराइजर्स हैदराबाद ने 20 ओवर में 3 विकेट खोकर स्कोर बोर्ड पर 287 रन लगाए, जो इस लीग का सबसे बड़ा स्कोर भी रहा। 288 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी आरसीबी ने भी जोरदार पलटवार किया। जीत तो रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के पक्ष में नहीं आई, लेकिन टीम ने 262 रन जरूर बना डाले। आईपीएल 2024 के 30वें मैच में सनराइजर्स हैदराबाद ने रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर को 25 रन से हराया। पहले बल्लेबाजी करते हुए हैदराबाद ने स्कोर बोर्ड पर 3 विकेट खोकर 287 रन लगाए। इसके जवाब में आरसीबी ने 262 रन बनाए। दिनेश कार्तिक ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 35 गेंदों पर 83 रन की तूफानी पारी खेली। हालांकि वह टीम को जीत नहीं दिला सके। टी-20 क्रिकेट के एक मैच में सर्वाधिक रन का रिकॉर्ड सनराइजर्स हैदराबाद और आरसीबी के बीच खेले गए मुकाबले के नाम हो गया है। एसआरएच ने पहले बैटिंग करते हुए 287 रन जड़े, तो आरसीबी ने भी 262 रन बना डाले। यानी दोनों पारियों को मिलाकर कुल इस मुकाबले में 549 रन बने। इससे पहले आईपीएल 2024 में ही हैदराबाद और मुंबई के बीच खेले गए मैच में 523 रन बने थे। सनराइजर्स हैदराबाद और आरसीबी के बीच खेले गए मुकाबले में कुल 81 बाउंड्री लगी। हैदराबाद और बेंगलुरु के बल्लेबाजों ने मिलकर 43 चौके जमाए, तो गेंद को 38 बार हवाई यात्रा पर छह रन के लिए भेजा। इससे पहले वेस्टइंडीज और साउथ अफ्रीका के बीच खेले गए मुकाबले में 81 बाउंड्री लगी थीं सनराइजर्स हैदराबाद और आरसीबी के बीच खेले गए मुकाबले में कुल 81 बाउंड्री लगी। हैदराबाद और बेंगलुरु के बल्लेबाजों ने मिलकर 43 चौके जमाए, तो गेंद को 38 बार हवाई यात्रा पर छह रन के लिए भेजा। इससे पहले वेस्टइंडीज और साउथ अफ्रीका के बीच खेले गए मुकाबले में 81 बाउंड्री लगी थीं। दिनेश कार्तिक ने आरसीबी की ओर से आखिर तक लड़ाई लड़ी। कार्तिक ने तूफानी अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए 35 गेंदों पर 83 रन की यादगार पारी खेली।

हेनरिक क्लासेन ने उड़ाया 106 मीटर का लंबा छक्का, स्टेडियम के बाहर जाती गेंद देख भौचक्के रहे गए कोहली

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। ट्रेविस हेड (102) और हेनरिक क्लासेन की अर्धशतकीय पारियों के दम पर सनराइजर्स हैदराबाद ने आईपीएल के इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर बनाया। सनराइजर्स हैदराबाद की टीम ने आरसीबी के खिलाफ तीन विकेट पर 287 रन का स्कोर बना डाला। आईपीएल 2024 में साउथ अफ्रीका के धाकड़ बैटर हेनरिक क्लासेन का बल्ला खूब गरज रहा है। सनराइजर्स हैदराबाद की तरफ से आरसीबी के खिलाफ मैच में हेनरिक ने 31 गेंदों पर 67 रन बनाए। इस दौरान हेनरिक ने एक ऐसा छक्का जड़ा जिसे देखकर हर कोई हैरान रह गया। उनका वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है मैच में ट्रेविस हेड के बाद हेनरिक का बल्ला जमकर गरजा। उन्होंने आरसीबी के बॉलर्स की जमकर धुनाई करते हुए 31 गेंदों पर 67 रन की ताबड़तोड़ पारी खेली। इस दौरान हेनरिक क्लासेन ने एक ऐसा छक्का जड़ा, जो 106 मीटर लंबा रहा। इस सिक्स को देख स्टेडियम में बैठा हर शख्स ही नहीं बल्कि आरसीबी के स्टार विराट कोहली भी भौचक्के रह गए। हेनरिक के सिक्स का वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। दरअसल, आईपीएल 2024 के 30वें मैच में आरसीबी के खिलाफ हेनरिक क्लासेन ने 23 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। हेनरिक क्लासेन ने आखिरी ओवर में आरसीबी के गेंदबाजों को खूब धोया। आखिरी ओवर की दूसरी गेंद पर उन्होंने 106 मीटर लंबा छक्का उड़ाया इस दौरान उनके शॉट से बॉल स्टेडियम की छत पार करते हुए बाहर जाकर गिरी। ये गेंद खराब तो नहीं थी, लेकिन पहले से मूड सेट करने वाले हेनरिक क्लासेन ने गेंद को तेजी से हिट किया और ये धांसू सिक्स जड़ा। उनका सिक्स देख विराट कोहली भी हैरान रह गए, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है सनराइजर्स हैदराबाद की टीम के ओपनर ट्रेविस हेड ने 39 गेंदों पर शतक जड़ दिया। इस तरह उन्होंने आईपीएल इतिहास में चौथा सबसे तेज शतक जमाया। हेड ने 39 गेंदों पर शतक ठोका। हेनरिक क्लासेन ने 31 गेंदों पर 67 रन जोड़े। इस तरह सनराइजर्स हैदराबाद ने आईपीएल इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर बनाया। सनराइजर्स हैदराबाद ने 3 विकेट खोकर 287 रन का स्कोर बनाया।

'बस करो भाई कितना रुलाओगेष्ठ', होम ग्राउंड में आरसीबी बॉलर्स ने कर दिया बेड़ा गर्क, फैंस ने मीम्स शेयर कर जाहिर किया दुख

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2024 में आरसीबी की टीम का प्रदर्शन अभी तक खराब रहा। आरसीबी की टीम को मौजूदा सीजन में अभी तक सिर्फ एक ही जीत नसीब हुई। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ खेले जा रहे आईपीएल 2024 के 30वें मैच में आरसीबी ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। चिननस्वामी के मैदान पर सनराइजर्स हैदराबाद के बैटर्स का बल्ला खूब गरजा। ट्रेविस हेड और अभिषेक शर्मा ने शानदार शुरुआत की। हैदराबाद की टीम ने आईपीएल के इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर बनाया। इस मैच में आरसीबी के गेंदबाजों की जमकर कुटाई हुई। अपने होम ग्राउंड में आरसीबी गेंदबाजों के खराब प्रदर्शन को देख फैंस सोशल मीडिया पर मीम्स शेयर कर रहे हैं पहले बैटिंग करते हुए सनराइजर्स हैदराबाद की टीम ने ट्रेविस हेड के शतकीय और हेनरिक क्लासेन की अर्धशतकीय पारियों के दम पर 287 रन का बड़ा स्कोर बनाया। यह आईपीएल के इतिहास का सबसे बड़ा टोटल भी रहा। हैदराबाद की टीम के बैटर्स ने आरसीबी टीम के गेंदबाजों की जमकर धुनाई की और पहली पारी के बाद आरसीबी की गेंदबाजों को लेकर फैंस सोशल मीडिया पर मीम्स शेयर कर रहे हैं। दरअसल, आरसीबी की टीम की आईपीएल में पिछले कई सीजनों की नाकामयाबी उनके खुद के फैसले भी रहे हैं। लगातार 4 मैच हारने के बाद आरसीबी की टीम ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ अहम मैच में एक ऐसा फैसला लिया, जो हर किसी के समझ से परे था। इस मैच में आरसीबी की टीम ने अपने प्रमुख तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को ड्रॉप किया। सिराज का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा था, लेकिन बेंगलुरु ने सिर्फ 4 तेज गेंदबाज और एक पार्ट टाइम स्पिनर विल जैक्स को प्लेइंग-11 में शामिल किया। ऐसे में सनराइजर्स हैदराबाद के बैटर्स ने पहले बैटिंग करते हुए आरसीबी के गेंदबाजों को शुरुआत से ही परेशान किया। अभिषेक शर्मा और ट्रेविस हेड के बीच शतकीय साझेदारी बनी। ट्रेविस हेड ने 41 गेंदों का सामना करते हुए 9 चौके और 8 छक्कों की मदद से 102 रन की पारी खेली। हेनरिक क्लासेन ने 31 गेंदों का सामना करते हुए 67 रन बनाए। एडन मार्करम ने 17 गेंदों का सामना करते हुए नाबाद 32 रन की पारी खेली। अब्दुल समद ने 10 गेंदों पर नाबाद 37 रन बनाए। चिननस्वामी में आरसीबी के बॉलर्स का जमकर मजाक बना।

इस सप्ताह की शुरुआत प्रसन्नता के साथ होगी। लेकिन बातचीत में संवत रहें। शिक्षा से जुड़े काम पर ध्यान देने की आवश्यकता है। धैर्य रखना होगा। भागदौड़ बनी रहेगी।	इस सप्ताह आत्म संवत रहने की आवश्यकता है। मन परेशान रहेगा। गुस्सा पर नियंत्रण रखना होगा। परिवार का साथ मिलेगा। लाभ के	मन में आशा-निराशा बनी रहेगी। नकारात्मक विचारों से बचें। स्वास्थ्य का ध्यान रखने की आवश्यकता है। शत्रुओं पर विजय प्राप्त करेंगे। नौकरी में कार्यभार में बढ़ोतरी	सप्ताह के शुरूआत से वाणी में मधुरता रहेगी, लेकिन धैर्यशीलता बनाए रखने की कोशिश करें। शिक्षा से जुड़े कामों में सफलता मिलेगी। संतान के स्वास्थ्य का ध्यान रखना
सप्ताह के पहले दिन से मन में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। नौकरी में तरक्की मिलने की संभावना है। शासन सत्ता का योग बन रहा है। भवन सुख मिलेगा। शिक्षा से जुड़े काम में	सप्ताह कार्यक्षेत्र में मेहनत दा होगी। परिवार की जिम्मेदारी बढ़ेगी। नौकरी में कार्यभार बढ़ेगा। मन परेशान हो सकता है। स्वभाव में	नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा, स्थान परिवर्तन भी हो सकता है। वाणी में कठोरता का भाव रहेगा, बातचीत में संयत रहें। वस्त्रों	इस सप्ताह परिवार के साथ धार्मिक यात्रा के योग बन रहे हैं। माता का सहयोग भी प्राप्त होगा। आत्मविश्वास बहुत रहेगा। ज्यादा उत्साही होने से बचें।
नौकरी में तरक्की होने की संभावना है। आत्मविश्वास बढ़ेगा। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव बना रहेगा। मानसिक शांति रहेगी। गुस्सा पर काबू रखें।	परिवार में हंसी-खुशी का माहौल रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा। आत्मविश्वास बहुत रहेगा। नकारात्मक विचारों से बचाव	मन खुश रहेगा। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मानसिंक शांति रहेगी लेकिन असंतोष भी रहेगा। परिवार में शांति बनी रहेगी। पिता का सहयोग मिलेगा।	पारिवारिक जिम्मेदारी बढ़ सकती हैं। मान-सम्मान बढ़ेगा। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। आत्मविश्वास बन रहेगा। शिक्षा से जुड़े काम सफल होंगे।

क्या दूसरे मैच में भी बारिश बनेगी विलेन जानें रावलपिंडी के मौसम का हाल और पिच रिपोर्ट

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच शनिवार को रावलपिंडी में पांच टी20 इंटरनेशनल मैचों की सीरीज का दूसरा मुकाबला खेला जाएगा। रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम में इस सीरीज की शुरुआत निराशाजनक रही क्योंकि पहला मैच महज दो गेंदों के बाद बारिश के कारण रद्द हो गया था। पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच शनिवार को दूसरा टी20 इंटरनेशनल मैच रावलपिंडी में खेला जाएगा। दोनों टीमों के बीच पहला मैच बारिश की भेंट चढ़ गया था। रावलपिंडी के मौसम और पिच रिपोर्ट का हाल यहां जानें ताकि अनुमान लगाया जा सके कि फैंस को मैच का एक्शन देखने को मिलेगा या नहीं। पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच रोमांचक मैच होने की उम्मीद है। पाकिस्तान की टीम ने अबरार अहमद, इरफान खान और उस्मान खान को डेब्यू का मौका दिया था।

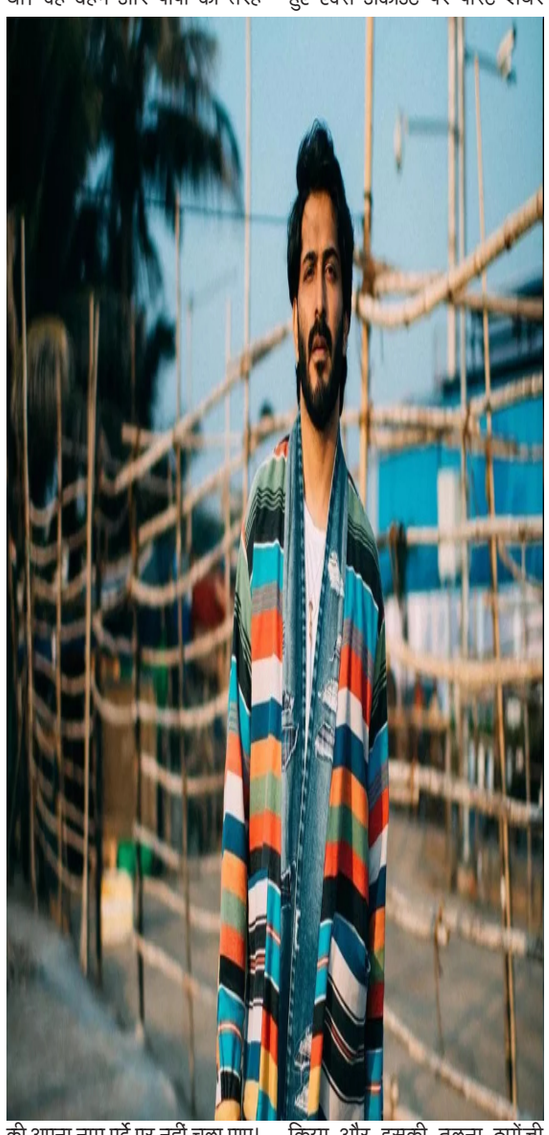

बाप के पैसे सेष्ठ.हर्ष वर्धन कपूरी को सोशल मीडिया पर किया गया ट्रोल तो एक्टर ने दिया मुंहतोड़ जवाब

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। सोनम कपूर के भाई और अनिल कपूर बेटे हर्ष वर्धन कपूर सालों पहले अपना डेब्यू कर चुके हैं, लेकिन उन्हें पर्दे पर वो कामयाबी हासिल नहीं हुई, जिसकी उन्हें तलाश थी। वह बहन और पापा की तरह वायरल हो रहा है। अनिल कपूर के बेटे हर्ष वर्धन कपूर भले ही पर्दे पर नजर नहीं आए, लेकिन सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं। दरअसल, हर्ष ने फुटबॉल टीम मैनचेस्टर सिटी की आलोचना करते हुए एक्स अकाउंट पर पोस्ट शेयर

की अपना नाम पर्दे पर नहीं चला पाए। वह बतौर स्टार किड्स काफी ज्यादा फेमस हैं, लेकिन एक फिल्म कलाकार के रूप में उन्हें बहुत कम लोग जानते हैं।हर्ष वर्धन कपूर ने यूं तो अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत साल 2016 में की थी। इस 8 साल के करियर में अभिनेता ने बेहद कम फिल्मों में काम किया है। उन्हें पर्दे पर वो कामयाबी हासिल नहीं हुई जिसकी उन्हें तलाश थी। कई बार इसे लेकर वह सोशल मीडिया पर ट्रोल भी होते हैं । कई बार इसे लेकर वह सोशल मीडिया पर ट्रोल भी होते हैं। हालांकि, एक्टर खुद ट्रोलर्स को जवाब भी देते हैं। इस बार भी कुछ ऐसा ही हुआ। उन्हें एक यूजर ने एक्स अकाउंट पर बुरा भला कहा, जिसका एक्टर ने मुंह तोड़ जवाब दिया। जो काफी किया और इसकी तुलना ठपोंजी स्कीमठ से कर दी। इसके बाद वह ट्रोल्स का शिकार हो गए। एक यूजर ने लिखा ठकभी एक सही फिल्म करले कब तक अपने बाप के पैसे से सनीकर्स खरीदता रहेगा। एक्टर ने लिखा, मैंआपकी फिल्में कहां देख सकता हूं आपने कितने की हैं मैंने रे थार, भावेश जोशी और एके बनाम एके, मिजिन्या.. आप कौन हैं एक हारा हुआ व्यक्ति जो ट्विटर पर कड़वाहट रखता है, जिसने अरब के पैसे से अमीर बनने के बाद शहर का समर्थन करना शुरू कर दिया। बता दें, हर्षवर्धन ने अपना एक्टिंग करियर की शुरुआत साल 2016 में फिल्म 'मिजन्या' की थी। इससे पहले उन्होंने साल 2015 में फिल्म 'बॉम्बे वेलवेट' में असिस्टेंट डायरेक्टर के रूप में काम किया था।

जाह्नवी कपूर संग फिल्म में रोमांस फरमाते नजर आएंगे सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। सैफ अली खान की बेटी सारा अली खान की तरह अब उनके बड़े बेटे इब्राहिम अली खान भी है कि इब्राहिम पर्दे पर जाह्नवी कपूर के साथ नजर आ सकते हैं। रिपोर्ट की मानें तो दूसरी फिल्म इब्राहिम एक नहीं बल्कि दो हीरोइन के साथ नजर कहा गया है कि इस फिल्म का निर्देशन शशांक खेतान करेंगे। अभी सब कुछ बहुत कच्चे स्टेज पर है, लेकिन एक बात पक्की है कि यह

अपने डेब्यू को लेकर सुखियों में हैं। खबर है कि वो अपना डेब्यू 'सरजमीं' नाम की फिल्म से करने जा रहे हैं। इब्राहिम अली खान काफी समय से अपने डेब्यू को लेकर चर्चा में हैं। वह बतौर असिस्टेंट डायरेक्टर काम कर चुके हैं लेकिन हीरो के रूप में नजर आने वाले हैं। अब खबर है कि वह जल्द पर्दे पर जाह्नवी कपूर के साथ नजर आ सकते हैं। इस फिल्म में उनके साथ एक्ट्रेस महिमा भी नजर अएंगी । वहीं अब खबर आएंगे। वह जान्हवी कपूर और महिमा मकवाना के साथ कोलैबोरेट किया है। हिंदुस्तान टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, इब्राहिम, जान्हवी और महिमा ने एक साथ एक रोमांटिक-कॉम फिल्म के लिए साइन अप किया है। फिल्म की स्क्रिप्टिंग और कास्टिंग हो चुकी है। यह जल्द ही प्री-प्रोडक्शन चरण के अन्य हिस्सों में आगे बढ़ेगी और फिर अगले साल शूटिंग शुरू होगी, ङ्ग। एक सूत्र ने अनटाइटल्ड प्रोजेक्ट के बारे में बात करते हुए खुलासा किया है। रिपोर्ट्स में आगे इन तीन अभिनेताओं का एक प्रेम त्रिकोण होगा। कहा जा रहा है कि इब्राहिम का किरदार फिल्म में तुतलाता हुआ दिखेगा।ङ्ग यह फिल्म मैडॉक और धर्मा द्वारा सह-निर्मित होगी और एक नाटकीय रिलीज होगी। बता दें, इब्राहिम अली खान ने करण जौहर की फिल्म 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' में बतौर असिस्टेंट डायरेक्टर काम कर चुके हैं। ये फिल्म बीते साल रिलीज हुई थी। पर्दे पर काफी हिट साबित हुई है।

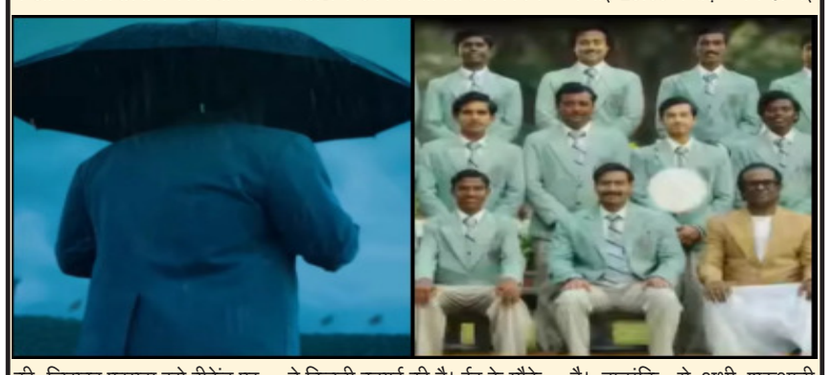

लोगों को मसालेदार गपशप एलएसडी 2 डायरेक्टर दिबाकर बनर्जी ने की सुशांत सिंह राजपूत के निधन पर बात

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। डायरेक्टर दिबाकर बनर्जी इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म एलएसडी 2 का जमकर प्रमोशन कर राजपूत के निधन के बारे में बात की है और बताया है कि कैसे लोग उस समय बातें कर रहे थे। बता दें कि डायरेक्टर दिबाकर बनर्जी और किसी को शोक मनाते नहीं देखा। मैं सिर्फ लोगों को मसालेदार गपशप खोजने की कोशिश करते हुए देख सकता था। इसलिए मुझे इस स्थिति से दूर जाना

रहे हैं। यह मूवी कल यानी 19 अप्रैल सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। दिबाकर बनर्जी ने अब एक इंटरव्यू में अपनी प्रोफेशनल लाइफ से जुड़ी कई चीजों के बारे में बात की है। इसके साथ ही उन्होंने दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत को लेकर भी कई बातें की हैं। दिबाकर बनर्जी के निर्देशन में बनी फिल्म एलएसडी 2 को रिलीज होने में अब बस कुछ ही घंटों का समय बाकी है। फिलहाल वह अपनी इस मूवी का प्रमोशन करते हुए नजर आ रहे हैं। अब हाल ही में उन्होंने एक इंटरव्यू में दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत ने साथ में फिल्म 'डिटेक्टिव ब्योमकेश बख्शी' में काम किया था। अब सिद्धार्थ कनन्न के साथ एक इंटरव्यू में दिबाकर ने याद किया कि कैसे सुशांत की मौत को मीडिया ने कवर किया था। डायरेक्टर दिबाकर बनर्जी ने सुशांत के बारे में करते हुए कहा कि जब उनका निधन हुआ, तो उनकी मृत्यु के कारण के बारे में खबरों में बहुत कुछ चल रहा था। मुझे खुद को हर चीज से अलग करना पड़ा। मैं सब कुछ सुन रहा था, लेकिन किसी को यह कहते हुए नहीं सुन सका कि एक यंग अभिनेता की मृत्यु हो गई। मैंने उसके आसपास पड़ा। कोई यह नहीं कह रहा था कि हम सुशांत को याद कर रहे हैं। कोई भी इस बारे में बात नहीं कर रहा था कि कैसे एक बाहरी व्यक्ति होने के बावजूद उन्होंने टेलीविजन में अभिनय किया और आखिरकार फिल्मों में अपनी शुरुआत की। हर कोई बस साजिश के बारे में कयास लगा रहा था कि किसने सुशांत को ड्रग्स दिया, किसने उसकी हत्या की। वह शोक सभा कहां है, जो लोग उनसे प्यार करते थे उन्हें उनकी फिल्मों की स्क्रीनिंग रखनी चाहिए थी और इस पर चर्चा करनी चाहिए थी। हम उनकी सभी अच्छी यादों को संजोकर क्यों नहीं रखते।

मंडे टेस्ट में फेल हुई अजय देवगन की 'मैदान', 5वें दिन धड़ाम से गिरी कमाई

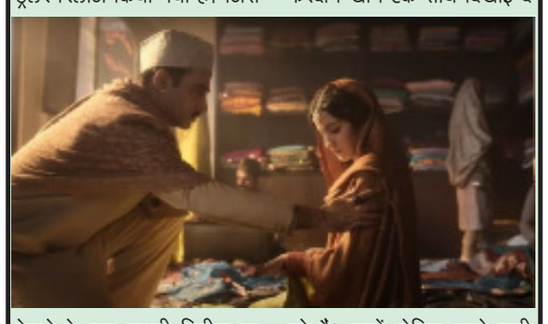

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। अजय देवगन स्टारर स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म 'मैदान' को सिनेमाघरों में रिलीज हुए पांच दिन हो गए हैं। इस फिल्म की और एक्टर के अभिनय की लोगों ने काफी तारीफें जानते हैं फिल्म ने सोमवार को कितना बिजनेस किया। हालांकि, ऐसा नहीं हुआ, क्योंकि अब नॉन वीकेंड पर इसकी कमाई में जबरदस्त गिरावट देखने को मिली है। चलिए जानते हैं रिलीज के 5वें दिन सोमवार को फिल्म को सिनेमाघरों में नहीं खींच पाई। सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, 'मैदान' ने रिलीज के 5वें दिन 1.8 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। ऐसे में अभी तक इसकी कुल कमाई 23.08 करोड़ रुपये हो गई

की, जिसका फायदा इसे वीकेंड पर देखने को भी मिला। रविवार के कलेक्शन को देखते हुए ऐसा लग रहा था कि फिल्म धीरे-धीरे आगे बढ़ रही है। अजय देवगन स्टारर फिल्म र्ईह सिनेमाघरों में दस्तक दे चुकी है। हर किसी को इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार था। कई सेलेब्स ने भी फिल्म की तारीफ की जिसके बाद वीकेंड पर इसकी कमाई में उछाल देखने को मिला था लेकिन अब नॉन वीकेंड पर यह मूवी अच्छी कमाई करने में असफल रही। चलिए ने कितनी कमाई की है। ईद के मौके पर रिलीज हुई इस फिल्म का लोगों के बीच एक अलग ही हाइप बना हुआ था, जिसे देख कर ऐसा लगा भी कि फिल्म अच्छा कलेक्शन करेगी। 'मैदान' ने अपने ओपनिंग डे पर धीमी शुरुआत की थी। इसके बाद बीते रविवार को फिल्म ने 6.4 करोड़ रुपये की अच्छी कमाई की। इसे देखते हुए लगा कि मूवी धीरे-धीरे पटरी पर आ रही है। अब इसके सोमवार के कलेक्शन को देखते हुए ऐसा लग रहा है कि फिल्म नॉन वीकेंड पर दर्शकों है। हालांकि, ये अभी शुरुआती आंकड़े हैं, इनमें सुबह तक बदलाव भी हो सकता है। मैदान की धीमी रफ्तार को देखते हुए मेकर्स ने अब दर्शकों को लुभाने के लिए स्पेशल ऑफर दिया है। सोमवार और मंगलवार दो दिन के लिए मेकर्स ने 'मैदान' की टिकट सिर्फ 150 रुपये में कर दी है। ऐसे में अब देखना होगा कि दर्शकों पर यह स्पेशल ऑफर कल कितना काम करता है और क्या इसकी कमाई में फिर से उछाल आता है।

थिएटर के बाद ओटीटी पर 'क्रू' दिखाएगी कमाल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। बीते महीने के अंत में बड़े पर्दे पर रिलीज होने वाली फिल्म क्रू ने फैंस का दिल बखूबी जीता

है। शानदार कहानी के दम पर करीना कपूर खान तब्बू और कृति सेनन की तिकड़ी ने इस मूवी के जरिए सिनेप्रेमियों का भरपूर मनोरंजन किया है। फिलहाल ये फिल्म सिनेमाघरों में जारी है और ऑडियंस की तरफ से कमाल का रिस्पॉन्स हासिल कर रही है। इस बीच क्रू की ओटीटी रिलीज की चर्चा तेज हो गई है। ऐसे में हम आपको बताने जा रहे हैं कि ये कॉमेडी फिल्म किस ओटीटी प्लेटफॉर्म पर दस्तक देगी। अक्षय कुमार की बड़े मियां छोटे मियां और अजय देवगन की मैदान जैसी बड़ी फिल्मों के रिलीज होने के बाद क्रू का क्रेज फैंस के बीच खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। कम बजट वाली इस मूवी ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन कर कामयाबी का स्वाद चखा है।

इस एक्ट्रेस की बदौलत चमकी अरशद वारसी की किस्मत, बिना स्क्रीन टेस्ट दिए मिल गई थी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। 'तेरे मेरे सपने', 'मुनन भाई एमबीबीएस', 'लगे रहो मुनन भाई', 'इश्किया' और 'जॉली एलएलबी' समेत कई अनगिनत फिल्मों में अलग-अलग किरदार निभा चुके अभिनेता अरशद वारसी आज बॉलीवुड का एक जाना माना नाम हैं। उन्होंने अभी तक अपने करियर

में कई बड़े स्टार्स के साथ काम किया है। बॉलीवुड अभिनेता अरशद वारसी की गिनती बी टाउन के बेहतरीन स्टार्स में होती है। उन्होंने अभी तक कई फिल्मों में काम किया है। हालांकि फिल्मों में आने का उनका यह सफर बिल्कुल भी आसान नहीं था। फिल्मों में आने से पहले उन्होंने अपने जीवन में कई संघर्ष देखे थे। अब अभिनेता के जन्मदिन पर चलिए जानते हैं उनकी लाइफ से जुड़े किस्से। हालांकि, एक्टिंग में करियर बनाना और फिल्मों में आना उनके लिए इतना आसान नहीं था। उन्होंने अपने जीवन में कई उतार-चढ़ाव देखे। अरशद 19 अप्रैल को अपना 56वां जन्मदिन सेलिब्रेट करने वाले हैं। ऐसे में चलिए जानते हैं उनकी लाइफ से जुड़े कुछ दिलचस्प किस्से।

रिलीज से पहले हीरामंडी में पकड़ गई ये गलती, डेब्यू वेब सीरीज में संजय लीला भंसाली से हो गई बड़ी चूक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। वेब सीरीज हीरामंडी का नाम बीते समय से लगातार सुर्खियां बटोर रहा है। डायरेक्टर संजय लीला भंसाली के निर्देशन में बनी इस सीरीज का हाल ही में लेटेस्ट ट्रेलर रिलीज किया गया है। जिसे हुआ है। लेकिन रेडिट पर एक यूजर ने अब हीरामंडी के इस ट्रेलर में एक कमी तलाश ली है और उसका स्क्रीन शॉट्स शेयर किया है। इस तस्वीर में आप देख सकते हैं कि एक्ट्रेस अदिति राव हैदरी और एक्टर फरदीन खान एक साथ दिखाई दे

देखने के बाद इसकी रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। डायरेक्टर संजय लीला भंसाली वेब सीरीज हीरामंडी के साथ डिजिटल दुनिया में पर्दापण करने जा रहे हैं। हाल ही में इस सीरीज का शानदार ट्रेलर रिलीज किया गया है जिसें देख फैंस की एक्साइटमेंट इसके लिए काफी बढ़ गई है। इस बीच हीरामंडी के ट्रेलर में कुछ यूजर्स ने बड़ी गलती पकड़ ली है जिसकी चर्चा अब हर तरफ हो रही है। लेकिन हीरामंडी के ट्रेलर में सोशल मीडिया पर कुछ यूजर्स ने बड़ी गलती पकड़ ली है, जो अब भंसाली की चूक बताई जा रही है। ऐसे में आइए जानते हैं कि हीरामंडी के ट्रेलर में क्या कम सामने आई है। कुछ दिन पहले ही हीरामंडी-द डायमंड बाजार का ट्रेलर लॉन्च किया गया है। मल्टी स्टारर इस सीरीज को लेकर सिनेप्रेमियों में जबरदस्त हाइप बना रहे हैं। इसमें नोटिस करने वाली चीज अदिति राव हैं, जिनका माइक्रोफोन वायर साफतौर दिख रहा है। यूजर्स अब इसे हीरामंडी की एडिटिंग डेस्क की बड़ी गलती मान रही हैं। साथ ही संजय लीला भंसाली को इसका दोषी मान रहे हैं कि वह इतने बड़े फिल्ममेकर हैं और इस गलती को क्यों नहीं पकड़ पाए। इस मामले को लेकर अब हीरामंडी की चर्चा और अधिक बढ़ गई है। बता दें कि इस सीरीज में सोनाक्षी सिन्हा, मनीषा कोइराला, ऋचा चड्ढा, अदिति राव हैदरी और फरदीन खान जैसे कई कालाकार मौजूद हैं। कब रिलीज होगी हीरामंडी इस कमी को छोड़ दिया जाए तो ओवरऑल हीरामंडी-द डायमंड बाजार के ट्रेलर की काफी तारीफ की जा रही है। जिसकी वजह से इसकी रिलीज का फैंस बड़ी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

नॉन वीकेंड पर धराशायी हुई 'बड़े मियां छोटे मियां' 50 करोड़ कमाने में छूटे पसीने

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली।अजय देवगन की 'मैदान' के साथ सिनेमाघरों में रिलीज हुई बॉक्स ऑफिस पर अच्छा बिजनेस कर कई फिल्मों के रिकॉर्ड तोड़ सकती है लेकिन ऐसा नहीं हुआ और अब को मिली है। चलिए जानते हैं इसके 5वें दिन का कलेक्शन। अक्षय-टाइगर, साउथ के पृथ्वीराज

अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ स्टारर फिल्म 'बड़े मियां छोटे मियां' को भी रिलीज हुए 5 दिन हो गए हैं। अपनी इस फिल्म का प्रमोशन करने में अक्षय और टाइगर ने कोई कसर नहीं छोड़ी, लेकिन इसके बावजूद भी यह मूवी थिएटर्स में दर्शकों को खींचने में असफल रही। अली अब्बास जफर के निर्देशन में बनी फिल्म बड़े मियां छोटे मियां की रिलीज के बाद ऐसा लग रहा था कि यह मूवी जल्द ही अक्षय कुमार टाइगर श्रॉफ स्टारर इस फिल्म को 50 करोड़ कमाने में भी कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी। ईद जैसे बड़े फेस्टिवल पर फिल्में रिलीज करना सलमान और शाह रुख जैसे कई स्टार्स के लिए काफी अच्छा रहा है, लेकिन 'बड़े मियां छोटे मियां' के मेकर्स के लिए शायद ऐसा नहीं हुआ। अपना पहला वीकेंड पूरा करने के बाद अब सोमवार को इसकी कमाई में भी जबरदस्त गिरावट देखने सुकुमारन जैसी जबरदस्त स्टार कास्ट होने और हिंदी, तमिल, तेलुगु, मलयालम और कनन्ड़ 5 भाषाओं में रिलीज होने के बावजूद 'बड़े मियां छोटे मियां' कमाई में विफल साबित हो रही है। अपने रिलीज के पहले दिन इस मूवी ने 15.65 करोड़ रुपये की कमाई की थी। इसके बाद लगभग हर दिन फिल्म ने 7 से 9 करोड़ की कमाई की।

मिस्टर एंड मिसेज माही' देखने के लिए एक्साइटेड हैं आलिया भट्ट राजकुमार राव की पत्नी पत्रलेखा ने भी की तारीफ

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। जाह्नवी कपूर और राजकुमार राव इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'मिस्टर एंड मिसेज माही' को लेकर सुखियों में बने हुए हैं। कुछ दिनों पहले ही उनकी इस मूवी सकती हैं। बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट ने अपने सोशल मीडिया हैंडल इंस्टाग्राम की स्टोरी पर 'मिस्टर एंड मिसेज माही' का पोस्टर शेयर किया है। इस पोस्टर को एक्ट्रेस ने जाह्नवी और राजकुमार को टैग करते हुए

की रिलीज में बदलाव किया गया था और आज सोमवार को उनकी इस फिल्म का पहला पोस्टर शेयर किया गया। राजकुमार राव और जाह्नवी कपूर स्टारर फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही का आज 15 अप्रैल को पहला पोस्टर शेयर किया गया। इस पोस्टर में महिमा और महेंद्र की पहली झलक फैंस को देखने को मिली। अब बॉलीवुड सेलेब्स भी इस पोस्ट को शेयर कर प्यार लुटा रहे हैं। हाल ही में आलिया भट्ट ने इसे शेयर करते हुए देखने की एक्साइटमेंट दिखाई है। इस पोस्टर में दोनों स्टार्स भारतीय क्रिकेट टीम की जर्सी में दिखाई दे रहे हैं। अब इस पोस्टर पर आलिया भट्ट ने भी रिएक्ट किया है और उन्होंने बताया है कि वह इस मूवी को देखने का इंतजार नहीं कर कैप्शन में लिखा कि इंतजार नहीं हो रहा शैरी। राजकुमार राव की पतनी और एक्ट्रेस पत्रलेखा ने भी पोस्टर शेयर कर इसकी तारीफ की। उन्होंने अपने कैप्शन में लिखा कि यह एक रतन है। शरण शर्मा के निर्देशन में बनी इस फिल्म को पहले 19 अप्रैल को रिलीज किया जाना था, लेकिन अब मेकर्स ने इसकी डेट आगे बढ़ाते हुए इसे 31 मई, 2024 को रिलीज करने का फैसला किया है। धर्मा प्रोडक्शंस की फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही जी स्टूडियो और धर्मा प्रोडक्शंस द्वारा प्रस्तुत की गई है। जाह्नवी कपूर और राजकुमार राव के वर्क फ्रंट की बात करें, तो एक्ट्रेस जल्द 'जूनियर एनटीआर' के साथ फिल्म देवरा में दिखाई देने वाली हैं।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा. दीपक अरोरा द्वारा
श्री आधुनिक प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजर्स प्रा.लि.
1-मिर्जापुर रोड नैनी प्रयागराज उ.प्र. 211008 से मुद्रित एवं
आधुनिक समाचार पब्लिसिंग हाउस सी 41 यूपीएसआईडीसी नैनी प्रयागराज 211010 (उ.प्र.) से प्रकाशित
सम्पादक/प्रकाशक
डा. पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।